श्रावण शुक्ल - 14 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 17 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 08-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 संभल कोई विवाद नहीं बल्कि सच्चाई है, सच छुपाने वालों को सजा जरूर मिलेगी

6 धराली आपदा : विकास के नाम पर प्रकृति से खिलवाड़ का नतीजा

7 भारत 2050 तक 25,000 अरब डॉलर की महाशक्ति बन जाएगा : अदाणी

रक्षाबंधन पर्व मुहूर्त

श्रावण सुदी 15, शनिवार 9 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व है। इस बार रक्षाबंधन पर शुभ योग बन रहे हैं, साथ ही इस वर्ष भद्रा का साया भी नहीं रहेगा, जिससे इस पर्व की महत्ता और बढ़ जाएगी।

रक्षासूत्र बांधने का शुभ मुहूर्त

प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में 4.30 बजे से 6.06 बजे तक, 7.41 बजे से 9.15 बजे तक शुभ वेला में व दिन में 11.59 बजे से 12.50 बजे तक अभिजीत मुहूर्त श्रेष्ठ रहेगा। दोपहर बाद 1.59 बजे से 5.09 बजे तक लाभ-अमृत वेला व सायंकाल 6.43 बजे से रात्रि 8.09 बजे तक लाभ वेला में भी बहिनें अपने भाई को रक्षासूत्र बांध सकती हैं।

रक्षासूत्र बांधते समय – भाइयों का मुख पूर्व दिशा व बहिनों का मुख पश्चिम दिशा में होना चाहिए।

- पंडित जगदीश आचार्य, बेंगलूरु
फोन : 9448417398

किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा भारत

व्यक्तिगत रूप से भारी कीमत चुकाने को तैयार : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को परोक्ष रूप से संदेश देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अपने किसानों, मछुआरों और डेयरी क्षेत्र से जुड़े लोगों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह जानते हैं कि व्यक्तिगत रूप से उन्हें बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन वह इसके लिए तैयार हैं।

ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क (टैरिफ) बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के एक दिन बाद प्रधानमंत्री का यह बयान आया है, जबकि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा कर रहे हैं। यह व्यापार समझौता भारत के कृषि और डेयरी बाजार तक अधिक पहुंच की अमेरिका की मांग के बीच हो रहा है।

अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों पर शुल्क कम करने के साथ-साथ अपने डेयरी उत्पादों के लिए बाजार पहुंच बढ़ाने की मांग कर रहा है। हालांकि, भारत इन मांगों का विरोध कर रहा है, क्योंकि इनका सीधा असर किसानों पर पड़ेगा।

मोदी ने कहा, ''हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशु पालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा।'' उन्होंने प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एवं 'हरित क्रांति के जनक' एम.एस. स्वामीनाथन की जन्मशती के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय वैश्विक सम्मेलन को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए वह कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हैं। मोदी ने कहा, ''मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत आज मछुआरों और पशु पालकों के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''मेरे देश के मछुआरों के लिए, मेरे देश के पशु पालकों के लिए आज भारत तैयार है।'' अमेरिका ने कच्चे तेल को लेकर रूस पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए भारत पर दबाव बनाने के मकसद से भारतीय वस्तुओं पर व्यापार शुल्क में और वृद्धि कर दी है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अधिसूचना जारी, नामांकन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है और इसके साथ ही नामांकन प्रक्रिया की शुरुआत हो गई। अधिसूचना के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है और दस्तावेजों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी। नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 25 अगस्त है। जगदीप धनखड़ के स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफा देने के बाद 21 जुलाई को यह पद रिक्त हो गया था। धनखड़ का कार्यकाल अगस्त 2027 में समाप्त होना था। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, मध्यावधि चुनाव की स्थिति में पद पर चुने जाने वाले व्यक्ति को पूरे पांच साल का कार्यकाल मिलता है। उपराष्ट्रपति पद के लिए ऐसे व्यक्ति को ही निर्वाचित किया जा सकता है, जो भारत का नागरिक हो, जो 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो और राज्यसभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित होने की योग्यता रखता हो। भारत सरकार, राज्य सरकार या किसी अधीनस्थ स्थानीय प्राधिकरण में किसी लाभ के पद पर आसीन व्यक्ति उपराष्ट्रपति पद के लिए पात्र नहीं होता।

एनएसए डोभाल ने की राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात

राष्ट्रपति पुतिन आएंगे भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने बृहस्पतिवार को 'क्रेमलिन' में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात कर दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की।

रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन की प्रेस सेवा की ओर से साझा की गई एक वीडियो क्लिप में डोभाल बातचीत से पहले पुतिन से हाथ मिलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुतिन ने क्रेमलिन में अपने कक्ष में डोभाल का गर्मजोशी से स्वागत किया।

सूत्रों के अनुसार, डोभाल ने बाहरी दबाव के बावजूद रूस के साथ सभी मोर्चों पर सहयोग जारी रखने की नई दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे पुतिन ने कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया है। क्रेमलिन में हुई बैठक के दौरान, डोभाल के साथ भारतीय राजदूत विनय कुमार भी थे। बैठक में रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु भी शामिल हुए।

सर्गेई शोइगु से बातचीत

इससे पहले, डोभाल ने शोइगु के साथ बातचीत की। शोइगु ने कहा कि रूस एक अधिक न्यायसंगत और टिकाऊ विश्व व्यवस्था बनाने और अंतरराष्ट्रीय कानून की सर्वोच्चता सुनिश्चित करने के लिए भारत के साथ सक्रिय सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

फर्स्ट टेक

ट्रंप की कंप्यूटर चिप्स पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की योजना

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह कंप्यूटर चिप्स पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे। अगर ऐसा हुआ तो अमेरिका में डिजिटल युग को गति देने वाले प्रोसेसर पर निर्भर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, घरेलू उपकरणों और दूसरे जरूरी उत्पादों की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक के साथ बैठक के दौरान कहा, ''हम चिप्स और सेमीकंडक्टर पर लगभग 100 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे।'' उन्होंने साथ ही जोड़ा, ''...लेकिन अगर आप अमेरिका में निर्माण कर रहे हैं, तो कोई शुल्क नहीं लगेगा।''

यूपीआई भुगतान बाधित होने से लोग हुए परेशान

मुंबई/भाषा। देशभर में लोगों को बृहस्पतिवार शाम एकीकृत भुगतान प्रणाली यूपीआई के जरिये ऑनलाइन भुगतान करने में परेशानियों का सामना करना पड़ा। यूपीआई का संचालन करने वाले भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने इस असुविधा के लिए कुछ बैंकों की तकनीकी समस्याओं को जिम्मेदार ठहराया।

08-08-2025 सूर्यास्त 6:33 बजे | 09-08-2025 सूर्योदय 5:55 बजे

BSE	NSE
80,623.26 (+79.27)	24,596.15 (+21.95)

सोना	चांदी
10,345 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	127,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कुछ करो

सुन-सुन कर कान पके जाते,
छोड़ो ना अब मन की बातें।
व्याकुल है बैंकों में खाते,
बतलाओ कुछ धन की बातें।
सब काम करें मिलजुल कर ही,
करिए ना अनबन की बातें।
ऊंची-ऊंची ही फेंकें ना,
अब करें आप जन की बातें।।

न्यायालय ने याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति वर्मा से कहा

न्यायमूर्ति वर्मा का आचरण विश्वास से परे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने आंतरिक जांच समिति की उस रिपोर्ट को अमान्य करार देने का अनुरोध करने वाली इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा की याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी, जिसमें उन्हें नकदी बरामदगी मामले में कदाचार का दोषी ठहराया गया है। न्यायालय ने साथ ही कहा कि इस प्रक्रिया का पूरी कड़ाई से पालन किया गया था।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ ने कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा का आचरण विश्वास से परे है और उनकी याचिका पर सुनवाई नहीं की जानी चाहिए।

यह न्यायाधीश वर्मा के लिए एक बड़ा झटका है जो दिल्ली स्थित अपने आधिकारिक आवास के भंडार गृह में आग लगने के बाद बड़ी मात्रा में अधजली नकदी बरामद होने के बाद विवादों के केंद्र में हैं।

न्यायमूर्ति वर्मा ने आठ मई की उस सिफारिश को रद्द करने का भी अनुरोध किया था जिसमें भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने संसद से उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया था।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि तत्कालीन सीजेआई और आंतरिक समिति ने पूरी प्रक्रिया का कड़ाई से पालन किया, सिवाय वीडियो फुटेज और तस्वीरें अपलोड करने के।

न्यायमूर्ति दत्ता ने फैसला पढ़ते हुए कहा, ''हमने माना है कि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर आग बुझाने के अभियान की तस्वीरें और वीडियो अपलोड करना आवश्यक नहीं था। लेकिन ऐसा कहने के बाद भी, हमने यह भी स्पष्ट किया है कि इसका कोई विशेष महत्व नहीं है, क्योंकि उचित समय पर आपने इस मुद्दे को नहीं उठाया। साथ ही, आपकी रिट याचिका में अपलोडिंग को लेकर कोई राहत की मांग भी नहीं की गई थी।'' शीर्ष अदालत ने कहा कि आंतरिक जांच प्रक्रिया और तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश द्वारा नियुक्त न्यायाधीशों की समिति ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया था और रिपोर्ट को प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति को न्यायाधीश वर्मा को हटाने की सिफारिश के साथ भेजना असंवैधानिक नहीं था। पीठ ने यह स्पष्ट किया कि उच्चतम न्यायालय की आंतरिक प्रक्रिया को कानूनी मान्यता प्राप्त है और यह संविधानिक ढांचे से बाहर कोई समानांतर व्यवस्था नहीं है। न्यायालय को न्यायमूर्ति वर्मा के मौलिक अधिकारों का भी कोई उल्लंघन नहीं मिला।

निर्वाचन आयोग से मिलीभगत कर भाजपा ने चुनाव में की धोखाधड़ी : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को भाजपा पर निर्वाचन आयोग के साथ मिलीभगत कर चुनावों में ''बड़े पैमाने पर आपराधिक धोखाधड़ी'' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में किए गए विश्लेषण का हवाला देते हुए कहा कि यह ''संविधान के खिलाफ एक अपराध'' है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने यह भी कहा कि न्यायपालिका को भी इसमें शामिल होने की जरूरत है, क्योंकि ''जिस लोकतंत्र से हम इतना प्यार करते हैं, वह अब अस्तित्व में नहीं है।''

यहां अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के मुख्यालय इंदिरा भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी ने शोध के माध्यम से जो कुछ एकत्र किया है, वह ''आपराधिक साक्ष्य'' है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग देशभर में ऐसे सबूतों को नष्ट करने में व्यस्त है।

एक लाख से अधिक मतदाता फर्जी

गांधी ने कहा कि कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से अधिक मतदाता फर्जी, डुप्लिकेट पाए गए, जिनके पते अमान्य थे और फार्म 6 के दुरुपयोग से 90 वर्ष से अधिक आयु के नये मतदाता जोड़े गए। उन्होंने दावा किया, ''महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र की जांच की, जहां 1,00,250 वोट चोरी किये गए। 11,965 डुप्लीकेट मतदाता बनाए गए, 40,009 मतदाताओं के फर्जी और अमान्य पते थे। 10,452 मतदाताओं को एक ही पते पर पंजीकृत किया गया 4,132 मतदाता फर्जी फोटो के साथ सूची में जोड़े गए और 33,692 नए मतदाता फॉर्म-6 का गलत इस्तेमाल कर जोड़े गए।'' उन्होंने संवाददाता सम्मेलन के तुरंत बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''वोट-चोरी हमारे लोकतंत्र पर एक 'एटम बम' की तरह है।''

राहुल गांधी के देशव्यापी 'मतदाता धोखाधड़ी' के दावे सही, प्रधानमंत्री इस्तीफ़ा दें : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल के लोकसभा चुनावों में व्यापक 'मतदाता धोखाधड़ी' का सबूतों के साथ पर्दाफाश किया है। उन्होंने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस्तीफे की मांग की। सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पुख्ता सबूतों के साथ यह उजागर किया है कि हाल के लोकसभा चुनावों में पूरे भारत में बड़े पैमाने पर वोटों की चोरी हुई थी। उन्होंने लिखा, ''भारी जनाक्रोश के बावजूद, मोदी चुनावी धोखाधड़ी के जरिए ही सत्ता में लौटे। राहुल गांधी द्वारा आज जारी किए गए दस्तावेज इसका स्पष्ट प्रमाण हैं।''

ट्रंप की शुल्क धमकी के बीच

ब्राजील के राष्ट्रपति ने की प्रधानमंत्री मोदी से बात

नई दिल्ली/भाषा। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से टेलीफोन पर बात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, रक्षा, कृषि, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संबंधों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने संबंधी कार्यकारी आदेश जारी करने के एक दिन बाद आया है। पीएमओ ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। बयान के मुताबिक टेलीफोन पर बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने पिछले महीने अपनी ब्राजील यात्रा को याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने बाद में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रपति लूला के साथ अच्छी बातचीत हुई।

राहुल गाँधी शपथ पत्र के साथ शिकायत करें या आरोप लगाना बंद करें : चुनाव आयोग

नई दिल्ली/भाषा। चुनाव आयोग ने कर्नाटक विधान सभा चुनाव की मतदता सूची पर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के गुरुवार के बयानों और दावों को 'गुमराह करने वाला' बताते हुए उन्हें अपनी बात शपथ-पत्र के साथ राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी के सामने रखने की चुनौती दी है।

आयोग ने सख्त शब्दों में कहा है कि कांग्रेस नेता को अपनी बात सच लगती है तो उन्हें उसे नियमानुसार शपथ-पत्र के साथ कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी के सामने रखना चाहिए, और यदि उन्हें अपनी बात पर ही विश्वास नहीं है तो बेतुके निष्कर्ष निकालना बंद करना चाहिए। आयोग ने सोशल मीडिया पर अपने फैक्टचेक अकाउंट के माध्यम से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोक सभा में विपक्ष के नेता गाँधी के बयान को गुमराह करने वाला करार देते हुए खारिज किया। आयोग ने कहा, ' श्री राहुल गाँधी को यदि लगता है कि उनकी बात सही है तो उन्हें मतदाता पंजीयन नियमावली 1960 के नियम 20(3) (बी) के तहत बयान/ शपथ-पत्र पर हस्ताक्षर कर उसे आज शाम तक ही कर्नाटक के सीईओ (मुख्य चुनाव अधिकारी) के समक्ष प्रस्तुत कर देना चाहिए ताकि उसके संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा सके। आयोग ने कहा , 'श्री गांधी को यदि अपनी बात पर भरोसा नहीं है तो उन्हें बेतुके निष्कर्ष निकालने और भारत की जनता को गुमराह करने से बाज आना चाहिए।

भारत पर आर्थिक दबाव बढ़ाएंगे ट्रम्प

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों का कोई असर नहीं होते देख अब कुंठित होकर चेतावनी दी है कि भारत को संभावित द्वितीयक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि भारत और अमेरिका का एक दूसरे के प्रमुख व्यापारिक भागीदार होने ,दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय राजनयिक संबंध साझा करने के बावजूद ट्रम्प ने रूस से तेल और गैस की खरीद पर दण्डात्मक उपाय के रूप में भारत पर 25 प्रतिशत का भारी आयात शुल्क लगाया है।

गाजा पर कब्जा नहीं करना चाहता इजराइल : नेतन्याहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/भाषा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार को कहा कि इजराइल गाजा पर कब्जा या उसका विलय नहीं करना चाहता और इसका एकमात्र उद्देश्य हमास को खत्म करना तथा क्षेत्र और एक अस्थायी सरकार को सौंपना है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इजरायल जल्द से जल्द युद्ध समाप्त करके गाजा की सुरक्षा का नियंत्रण अपने जिम्मे लेना चाहता है। भारतीय पत्रकारों के एक समूह के साथ बातचीत में नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में 20 लाख टन से अधिक खाद्य सामग्री भेजी गई थी, लेकिन आपूर्ति रोक दी गई। नेतन्याहू ने यह टिप्पणी गाजा में मानवीय संकट को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी सरकार की बढ़ती आलोचना के बीच की है। गाजा में पिछले 22 महीने में इजराइली सैन्य हमलों में लगभग 60,000 लोगों की मौत हो चुकी है। सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में 1,200 लोगों की मौत के बाद इजराइल ने गाजा में युद्ध छेड़ दिया था। हमास ने 251 लोगों को बंधक भी बना लिया था। नेतन्याहू ने कहा, गाजा पर कब्जा करने या उसका विलय करने की हमारी योजना नहीं है।

कट्टरता युद्ध का कारण बनती है : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि कट्टरता क्रोध और घृणा पैदा करती है, जिससे झगड़े और युद्ध होते हैं।

भागवत ने नागपुर में एक शिव मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद एक समारोह में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि दुनिया की सभी समस्याओं का मूल कारण मानव स्वभाव की पांच या छह प्रवृत्तियां हैं।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, मनुष्य की कट्टरता क्रोध और घृणा पैदा करती है, जिससे झगड़े और युद्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रवृत्तियों को बदलने के लिए भगवान शिव की भक्ति करनी चाहिए।

भागवत ने कहा कि व्यक्ति को विनम्रता का जीवन अपनाना चाहिए और अपने लिए चीजें हासिल करने की इच्छा रखे बिना सभी के प्रति दया का भाव रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी पवित्र जीवनशैली की ओर प्रतिदिन एक कदम बढ़ाना ही शिव के प्रति सच्ची भक्ति है।

भागवत ने कहा कि दुनिया बदलाव के दौर से गुजर रही है और अगर मनुष्य ने उचित कदम नहीं उठाए, तो इसका विनाश हो जाएगा, लेकिन अगर वे सही कदम उठाएंगे, तो मानवता का एक नया उन्नत रूप उभरकर सामने आएगा।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि मानवता के ऐसे उन्नत स्वरूप के उद्भव के लिए भारत को विश्व का नेतृत्व करना होगा। उन्होंने कहा कि देश में विश्वभर के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने की शक्ति है।

मुनिश्री की सन्निधि में द्रव्य सीमा, सामायिक एवं मौन नवरंगी की आराधना हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि डॉ पुलकित कुमारजी की निश्रा में चातुर्मासिक धर्मोत्सव की आराधना उत्साह से गतिमान है। मुनिश्री ने अनित्य भावना पर दैनिक प्रवचन देते हुए कहा कि मानव को अपने जीवन में अनित्यता का बोध होना चाहिए। यहां पर जन्म लेकर धन, वैभव, सत्ता, संपत्ति का अहं नहीं करें। वस्तुत: देखा जाए तो सब कुछ नश्वर नाशवान है।

जागतिक पदार्थ अनित्य है यह चिंतन साधक को अनासक्ति की तरफ मोड़ता है। मोक्षार्थी साधक बहिर्मुखता को छोड़ अंतर्मुखी बनने का प्रयास करें । तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने बताया कि मुनिश्री की प्रेरणा से संयमोत्सव के अंतर्गत सामायिक की तीन नवरंगी, मौन की दो नवरंगी तथा द्रव्य सीमा की दो नवरंगी तप की आराधना श्रावक और श्राविकाओं ने मिलकर संपन्न की ।

नवरंगी संपन्न करवाने में तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तथा तेरापंथ सभा के अनेक धर्मप्रेमियों का सहयोग रहा। मंत्री विनोद छाजेड़ ने आगामी मासखमण तप अभिनंदन समारोह की जानकारी दी। सरिता मुथा के मासखमण अनुमोदना हेतु तेरापंथ भवन गांधीनगर में धम्म जागरण का भी आयोजन किया गया।

धराली में आपदा देखने वाले प्रत्यक्षदर्शी सदमे में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धराली (उत्तराखंड)/भाषा। चेहरे पर उदासी लिए कई महिलाएं मुखबा गांव के किनारे एक रेलिंग पर बैठी हुई हैं जहां से सड़क से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर धराली में दो दिन पहले हुआ विनाश का दृश्य साफ दिखाई देता है।

मंगलवार दोपहर बाद आयी त्रासदी को उन्होंने आंखों के सामने घटते देखा जब ढलानों से बहता हुआ मलबा नीचे की ओर आता चला गया जिसमें आधे से ज्यादा धराली गांव तबाह हो गया, ऊंची-ऊंची इमारतें जमींदोज हो गईं और अपनी जान बचाने को भागते लोग उसमें समा गए। महिलाओं के गमगीन चेहरे यह बताने के लिए काफी हैं कि उस गांव में हुए जानमाल के विनाश से वे कितनी दुखी हैं। वे चारों तरफ फैले पड़े मलबे को ऐसे देखती हैं जैसे उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा है कि आपदा आने से पहले तक एक खूबसूरत और जीवंत गांव का 70 से 90 प्रतिशत हिस्सा अब मलबे के नीचे दब चुका है। जब त्रासदी आयी तो लोग मदद के लिए चिल्लाए लेकिन कुछ ही सेकंड में सब कुछ तबाह हो गया और किसी को भी उनके लिए कुछ करने का मौका नहीं मिला ।

आशा सेमवाल ने कहा, हम कुछ भी नहीं कर पाए। हम लोगों को सतर्क करने के लिए केवल चिल्लाए, सीटियां बजाईं । हम केवल चिल्लाते रहे । धराली हमारा पड़ोसी गांव है । हम वहां लगभग सभी को जानते थे । केवल भगवान जानता है कि उनका क्या हुआ होगा। पड़ोस के एक अन्य गांव मारकण्डेय की रहने वाली निशा सेमवाल ने 'पीटीआई-वीडियो' को बताया, नीचे लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे लेकिन हम कुछ नहीं कर पाए । कुछ लोगों के पूरे परिवार चले गए। यह एक बुरा सपने जैसा था। सुबह तक सब कुछ अच्छा था लेकिन दोपहर बाद सब खत्म गया।

इस विनाशकारी त्रासदी से मुखबा गांव की एक और निवासी सुलोचना देवी भी हक्की-बक्की रह गईं । उन्होंने कहा, मेरे पास शब्द नहीं हैं। मैं सरकार से केवल यही अपील करती हूं कि वह प्रभावित लोगों की मदद करें। अनेक स्थानीय

लोगों ने कहा कि लापता लोगों की संख्या 150 से कम नहीं होगी।

एक व्यक्ति ने कहा, जब आपदा आयी, उस समय स्थानीय ग्रामीण, निर्माणाधीन होटलों में काम करने वाले नेपाल और बिहार के मजदूर और धराली बाजार में पर्यटक भी मौजूद थे। इनकी संख्या 150 से कम नहीं होगी। मुखबा के एक पुजारी ने बताया, हमने लोगों को सतर्क करने के लिए सीटियां बजाई लेकिन यह कोई साधारण बाढ़ नहीं थी । यह जलप्रलय था । बाजार में बिहारी और नेपाली मजदूर, पर्यटक और स्थानीय लोग थे। वहां करीब 20-25 बड़े होटल थे जो जमींदोज हो गए । 500 साल पुराना कल्प केदार मंदिर भी दब गया। मुखबा में मौजूद उत्तरकाशी से स्नातक की पढ़ाई कर रहे छात्र जयराज ने बताया कि पहले उसकी मां ने इस सैलाब को आते देखा और उन्हें बताया जिसके बाद वह भागता हुआ एक ऐसी जगह पहुंचा जहां से पूरा दृश्य दिखाई दे रहा था ।

जयराज ने कहा, 'उस समय धराली बाजार में कम से कम 25-30 लोग थे । मुझे नहीं पता कि वहां पानी के प्रहार से गिरे करीब एक दर्जन होटलों के अंदर कितने लोग थे । मैं लोगों को आपदा से सतर्क करने के लिए सीटियों पर सीटियां बजाता रहा लेकिन ज्यादा कुछ नहीं कर पाया क्योंकि तलबा तेजी से बहता आ रहा था और देखते ही देखते सब खत्म हो गया। एक होटल में काम करने वाले जयवीर नेगी ने बताया, धराली में 400 लोगों की आबादी है । घटना के समय कुछ लोग बाजार में थे, कुछ अन्य गांव में चल रहे हरदूध मेले में थे और दोपहर के भोजन का समय होने के कारण कुछ अन्य अपने घरों में थे। बाहर से आए हुए पर्यटक होटलों में थे। गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल ने कहा, आपदा में लापता लोगों की संख्या 50-60 होगी । धराली में आपदा से कम से कम 300-400 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ होगा।

धराली में 'हिमगिरि' नामक होटल का संचालन करने वाले संजय सिंह पंवार ने कहा कि वह सैलाब में ध्वस्त हो गया।

राहुल का चुनाव फर्जीवाड़े का आरोप एक सुनियोजित धोखा

लोकतंत्र के खिलाफ कांग्रेस की बड़ी साजिश: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग के खिलाफ चुनाव धोखाधड़ी के राहुल गांधी के आरोप को एक ''सुनियोजित धोखाधड़ी'' करार दिया और आरोप लगाया कि कांग्रेस भारत के लोकतंत्र तथा संविधान के खिलाफ एक बड़ी साजिश के तहत संवैधानिक संस्थाओं पर ''व्यवस्थित'' हमला कर रही है।

सत्तारूढ़ पार्टी ने कहा कि गांधी भाजपा की चुनावी जीत को ''धोखाधड़ी'' बताकर देश के लोगों के ''विवेकपूर्ण निर्णय'' का अपमान कर रहे हैं। इसने कहा कि मतदाता इस तरह के ''गैर-जिम्मेदार और बेशर्मी भरे'' चरित्र एवं आचरण के लिए कांग्रेस को लगातार खारिज करते रहेंगे। इसने आरोप लगाया कि गांधी ने हताशा और गुस्से में निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाए हैं, क्योंकि लोग कांग्रेस को अपना जनादेश नहीं दे रहे हैं। पार्टी ने चुनाव परिणामों पर दोहरे मापदंड अपनाने को लेकर कांग्रेस नेता की आलोचना की और उनसे कहा कि उन्हें यह बात समझनी चाहिए कि उनके परिवार की जीत लोकतंत्र की परिभाषा नहीं है।

भाजपा का यह बयान तब आया जब गांधी ने यहां मीडिया के सामने दावा किया कि कर्नाटक में एक लोकसभा क्षेत्र से संबंधित मतदाता आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के इशारे पर निर्वाचन आयोग ने चुनावों में धांधली की, ताकि भाजपा को वोट ''चुराने'' और 2024 के आम चुनाव में सीट जीतने में मदद मिल सके। कांग्रेस नेता ने भाजपा की ओर स्पष्ट इशारा करते हुए आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग और सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा देश भर में बड़े पैमाने पर ''आपराधिक धोखाधड़ी'' की जा रही है। कांग्रेस नेता की टिप्पणी की निंदा करते हुए सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, ''नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गैर-जिम्मेदाराना और बेशर्मी से भरी टिप्पणी की है।'' भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि गांधी ने निर्वाचन आयोग को धोखेबाज कहा है और ''बेशर्मी'' की सारी हदें पार कर दी हैं।

हिमाचल प्रदेश के रामपुर में

बादल फटने से भारी बारिश, राज्य की 496 सड़कें बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बृहस्पतिवार को रुक-रुक कर बारिश हुई, जबकि शिमला के रामपुर में बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य के कई हिस्सों में भूस्खलन के कारण तीन राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 496 सड़कें यातायात के लिए बंद कर दी गई हैं । उन्होंने बताया कि शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र के दर्शल में बुधवार देर रात बादल फटने से टेकलेच बाजार में अचानक बाढ़ आ गई, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, क्योंकि खतरे को देखते हुए आसपास के घरों को खाली करा लिया गया था। उन्होंने बताया कि

भूस्खलन के बाद चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या - 21, पुराना हिंदुस्तान-तिब्बत मार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या पांच) और औट-सैंज मार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 305) समेत कुल 496 सड़कें यातायात के लिए बंद कर दी गईं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, बृहस्पतिवार को मंडी जिले में 278 सड़कें अवरुद्ध थीं, जबकि निकटवर्ती कुल्लू जिले में 118 सड़कें बंद थीं।

मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को ऊना, कांगड़ा, मंडी, सोलन और सिरमौर जिलों में रविवार को और ऊना, बिलासपुर, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी में सोमवार को अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश का 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया।

राज्य के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश जारी रही। बुधवार शाम से नैना देवी में 92.6 मिमी बारिश हुई, इसके बाद रायपुर मैदान में 81.6 मिमी, पच्छाद में 75.1 मिमी, ओलिंडा में 67.7 मिमी, कांगड़ा में 62.5 मिमी, धर्मशाला में 42.5 मिमी, नाहन में 32.6 मिमी, कसौली में 32.5 मिमी और देहरा गोपीपुर में 31.4 मिमी बारिश हुई। इस मानसून में अब तक बारिश से जुड़ी घटनाओं में लगभग 108 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 36 लोग लापता हैं।

एसईओसी ने बताया कि इसके अलावा, 1,120 ट्रांसफार्मर और 245 जलापूर्ति योजनाएं प्रभावित हुई हैं। हिमाचल प्रदेश में 20 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से प्रदेश को कुल 1,905 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। राज्य में अब तक 58 बार अचानक बाढ़, 28 बार बादल फटने और 51 बड़े भूस्खलन की घटनायें हो चुकी हैं।

आरएसएस प्रमुख ने नागपुर संग्रहालय का दौरा किया, शिवाजी महाराज का 'वाघ-नख' देखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को यहां एक प्रदर्शनी का दौरा किया, जिसमें छत्रपति शिवाजी महाराज का प्रसिद्ध 'वाघ-नख' प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने कहा कि हर किसी को इस हथियार को देखना चाहिए, क्योंकि यह ''हमें हमारी वीरता के इतिहास'' की याद दिलाता है। 'शिवशास्त्र शौर्यगाथा' प्रदर्शनी के तहत मराठाओं द्वारा इस्तेमाल किए गए विभिन्न हथियारों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

भागवत ने बाद में कहा, ''छत्रपति शिवाजी महाराज का वाघ-नख हमें हमारे शौर्य के इतिहास की याद दिलाता है। सभी को इसे देखना चाहिए।'' इस संबंध में जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि यह हथियार लंदन के विक्टोरिया एवं अल्बर्ट संग्रहालय में दक्षिण एशियाई संग्रह का हिस्सा है। ऐसा माना जाता है कि इसे 17वीं शताब्दी में दक्षिण भारत में बनाया गया था। स्टील से बने इस हथियार में ठोस धातु की एक छड़ है जिस पर चार घुमावदार, धारदार पंजे लगे हैं। इसके दोनों सिरों पर छल्ले हैं जो इसे बाएँ हाथ की हथेली में छिपाने के लिहाज से डिजाइन किए गए हैं। ऐतिहासिक विवरण के अनुसार, मराठा राज्य के संस्थापक शिवाजी महाराज ने नवंबर 1659 में आदिल शाही वंश के सेनापति और आक्रमणकारी सेना का नेतृत्व कर रहे अफजल खान को मारने के लिए वाघ-नख का इस्तेमाल किया था।

चुनाव में धांधली के राहुल के दावे निराधार : एकनाथ शिंदे

नई दिल्ली/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राहुल गांधी द्वारा किए गए ''बड़े आपराधिक चुनावी धोखाधड़ी'' के दावों को ''निराधार'' करार देते हुए कहा कि कांग्रेस को चुनाव हारने के बाद आरोप लगाने की आदत है।

एक विशेष वीडियो साक्षात्कार में शिंदे ने कहा कि भाजपा-शिवसेना-राकांपा की महायुति ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 'लाडकी बहिन' जैसी जन कल्याणकारी योजनाओं और किसान समर्थक पहलों के आधार पर भारी जीत दर्ज की। राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों के बारे में पूछे जाने पर शिंदे ने पलटवार करते हुए कहा, ''लोकसभा चुनाव में विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) ने महाराष्ट्र में 30 सीट जीतीं, जबकि हमें 17 सीट मिलीं। क्या इसका मतलब यह है कि उन्होंने (एमवीए) जनादेश चुरा लिया? जब आपने तेलंगाना और कर्नाटक में चुनाव जीता, तो क्या आप ईवीएम में हेराफेरी या वोट चोरी में संलिप्त थे।'' महायुति सरकार जनकल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और लोगों ने सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों को मंजूरी दी, जो सत्तारूढ़ गठबंधन की भारी जीत में भी परिलक्षित हुआ।

आप सरकार ने संपत्तियां नहीं बनाईं, विज्ञापन पर खर्च किया: रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर मुफ्त पानी और बिजली को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और दावा किया कि सत्ता में रहते हुए उन्होंने शहर के लिए संपत्ति निर्माण पर पैसा खर्च करने के बजाय विज्ञापनों पर खर्च किया।

सोमवार को विधानसभा में पेश की गई कैग रिपोर्ट को लेकर उन्होंने सदन में दावा किया कि रिपोर्ट ने आप सरकार की पोल खोल दी है। सोमवार को मानसून सत्र के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा विधानसभा में पेश की गई कैग रिपोर्ट में कहा गया है कि आप के शासन में 2023-24 में दिल्ली सरकार का राजस्व अधिशेष इसके पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 55 प्रतिशत कम हो गया था।

उन्होंने मांग की कि वर्ष 2023-24 के लिए दिल्ली के वित्त लेखा और विनियोग लेखा पर कैग रिपोर्ट लोक लेखा समिति को भेजी जाएं। गुप्ता ने आरोप लगाया, ''आप ने दिल्ली को धोखा दिया। आपने सड़कें नहीं बनाईं, सीवर लाइनें या स्कूल और अस्पताल नहीं बनाए। आपने विज्ञापनों पर बहुत अधिक खर्च किया।'' जैसे ही आप विधायकों ने मुख्यमंत्री के दावों का विरोध करना शुरू किया, विपक्षी दल के चार विधायकों - अनिल झा, कुलदीप कुमार, प्रेम चौहान और जरनैल सिंह को सदन से बाहर निकाल दिया गया।

गुप्ता ने दावा किया कि सत्ता में रहते हुए आप ने लोगों को मुफ्त चीजें दीं और इसे इस तरह पेश किया जैसे ''वे इसे अपनी जेब से खर्च कर रहे हों।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''वे दावा करते हैं कि केंद्र ने धन नहीं दिया। लेकिन उन्होंने विभिन्न योजनाओं के तहत केंद्र द्वारा दिए गए धन का कभी इस्तेमाल नहीं किया।''

जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द फिर से राज्य बनाया जाना चाहिए: उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि जम्मू एवं कश्मीर का यथाशीघ्र राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए।

उत्तरी कश्मीर के बांदीपुरा जिले के सीमांत गुरेज सेक्टर में राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव के मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि काफी समय हो गया है जब उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा ''यथाशीघ्र'' बहाल करने को कहा था। अब्दुल्ला ने कहा, ''जब अदालत ने अनुच्छेद 370 मामले में अपना फैसला सुनाया, तो उसमें दो महत्वपूर्ण पहलू थे। एक (विधानसभा) चुनाव से संबंधित था, कि चुनाव एक समय सीमा के भीतर कराए जाने चाहिए। अदालत ने राज्य के दर्जा के बारे में भी बात की और कहा कि जम्मू-कश्मीर का जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''तब से काफी समय बीत चुका है। हम चाहते हैं कि जम्मू-कश्मीर जल्द से जल्द फिर से एक राज्य बने।''आदिवासी उत्सव का जिक्र करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि ऐसे आयोजन सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देते हैं।

उत्पादों की बाज़ार पहुंच बढ़ाने के लिए हथकरघा समूहों को उद्यमियों से जोड़ना ज़रूरी : गिरिराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि देशभर के सभी 797 हथकरघा समूहों को उद्यमियों से जोड़ने की ज़रूरत है ताकि घरेलू और वैश्विक बाज़ारों में ऐसे उत्पादों की पहुंच बढ़ाई जा सके।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि बुनकरों को उद्यमियों से जोड़ने से उनकी वार्षिक आय 10 लाख रुपए तक बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि हथकरघा उत्पादों की वैश्विक पहुंच बढ़ाने के लिए 100 हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगरों को एक ई-मंच से जोड़ा गया है। सिंह ने हथकरघा दिवस समारोह में कहा, ''आज, भारतीय हथकरघा उत्पादों को विदेशों तक पहुंचाने के लिए 100 कारीगरों को एक ई-मंच से जोड़ा गया है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में हम लाखों हथकरघा कारीगरों को जोड़ेंगे। मेरी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यही इच्छा है कि उनकी औसत वार्षिक आय कम से कम 8-10 लाख रुपए हो। यह आधिकारिक तौर पर तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समारोह में क्यों शामिल नहीं हुईं, लेकिन सूत्रों ने बताया कि उनकी तबियत ठीक नहीं थी।

पंजाब में हथियारों की तस्करी के आरोप में चार गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने सीमा पार से हथियारों की तस्करी के आरोप में चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिनसे सात हथियार बरामद किए हैं। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि आरोपी पाकिस्तानी तस्करों के संपर्क में थे और भारत-पाकिस्तान सीमा के पास से अवैध हथियार प्राप्त करते थे। यादव ने कहा कि उनके पास से सात पिस्तौल बरामद की गई हैं। छेहरता थाना में हथियार अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पूरे नेटवर्क और उसके संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।''

ईडी 'ठग' की तरह काम नहीं कर सकता, उसे कानून के दायरे में रहकर काम करना होगा : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एक 'ठग' की तरह काम नहीं कर सकता और उसे कानून के दायरे में ही रहना होगा। न्यायालय ने केंद्रीय एजेंसी द्वारा जांच किए गए मामलों में दोषसिद्धि की कम दर पर चिंता व्यक्त की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा, हम प्रवर्तन निदेशालय की छवि को लेकर भी चिंतित हैं।

शीर्ष अदालत 2022 के फैसले की समीक्षा के अनुरोध वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिसमें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी की शक्तियों को बरकरार रखा गया था। केंद्र और ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने समीक्षा याचिकाओं की पोषणीयता पर सवाल उठाया और कम दोषसिद्धि दर के लिए प्रभावशाली आरोपियों की विलंबकारी रणनीति को जिम्मेदार ठहराया। राजू ने कहा, रसूखदार बदमाशों के पास बहुत साधन होते हैं। वे कार्यवाही को लंबा खींचने के लिए अलग-अलग चरणों में आवेदनों पर आवेदन दायर करने के लिए वकीलों की फौज रखते हैं और मामले का जांच अधिकारी जांच में समय लगाने के बजाय किसी न किसी आवेदन के लिए अदालत के चक्कर लगाता रहता है। न्यायमूर्ति भुइयां ने अपने एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि पिछले पांच वर्षों में ईडी द्वारा दर्ज किए गए 5,000 मामलों में से 10 प्रतिशत से भी कम मामलों में दोषसिद्धि हुई है और इस तथ्यात्मक बयान की पुष्टि संसद में मंत्री द्वारा की गई है।

न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा, आप किसी ठग की तरह काम नहीं कर सकते, आपको कानून के दायरे में रहकर काम करना होगा। मैंने अपने एक फैसले में देखा कि ईडी ने पिछले पांच सालों में लगभग 5,000 ईसीआईआर दर्ज की हैं, लेकिन दोषसिद्धि दर 10 प्रतिशत से भी कम है... इसीलिए हम आपसे आग्रह कर रहे हैं कि आप अपनी जांच में सुधार करें क्योंकि यह व्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ा मामला है। न्यायाधीश ने कहा, हम ईडी की छवि को लेकर भी चिंतित हैं। 5-6 साल की न्यायिक हिरासत के बाद अगर लोग बरी हो जाते हैं, तो इसका खर्च कौन उठाएगा?

न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि सभी समस्याओं का समाधान टाडा और पोटा अदालतों की तरह समर्पित अदालतों से होना है और समर्पित पीएमएलए अदालतें दिन-प्रतिदिन की कार्यवाही कर सकती हैं, जिसके परिणामस्वरूप मामलों का शीघ्र निस्तारण हो सकेगा। उन्होंने कहा, हां, प्रभावशाली आरोपी अब भी कई आवेदन दायर करेंगे, लेकिन इन आरोपियों और उनके वकीलों को पता होगा कि चूंकि यह दिन-प्रतिदिन की सुनवाई है और उनके आवेदन पर अगले ही दिन फैसला हो जाएगा। उन पर कड़ी कार्रवाई करने का समय आ गया है। हम उनके प्रति सहानुभूति नहीं रख सकते।

जियो 6जी प्रौद्योगिकी के विकास पर कर रही काम: वार्षिक रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। डिजिटल सेवा कंपनी जियो 6जी प्रौद्योगिकी के विकास में सक्रिय रूप से लगी हुई है और कंपनी का लक्ष्य इस क्षेत्र में अगुवा बनने का है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, जियो अब दुनिया का सबसे बड़ा 'डेटा ऑपरेटर' है। भारत में वायरलेस डेटा ट्रैफिक में इसकी हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''जियो भविष्य की संचार प्रौद्योगिकियों पर काम करना जारी रखे हुए है और 6जी प्रौद्योगिकी पर सक्रिय रूप से शोध एवं विकास कर रही है। इसका लक्ष्य इसके विकास और उपयोग में वैश्विक अगुवा बनना है।'' जियो की मूल कंपनी

आरआईएल की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट कहती है, ''एक दशक से भी कम समय में जियो ने अपने दृष्टिकोण और...निवेश के साथ देश को डेटा के अभाव से डेटा की प्रचुरता की स्थिति में पहुंचा दिया है।'' कंपनी स्थलीय संचार नेटवर्क के निर्माण में जियो की प्रौद्योगिकी क्षमता बढ़ाने के लिए अपना स्वयं का उपग्रह संचार मंच भी बना रही है। साथ ही भारत में अपने ग्राहकों को स्टारलिंक की ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए स्पेसएक्स के साथ साझेदारी कर रही है। जियो नेटवर्क पर मार्च 2025 तक लगभग 19.1 करोड़ 5जी उपयोगकर्ता थे। इनका वायरलेस डेटा ट्रैफिक में लगभग 45 प्रतिशत का योगदान था।

करुणानिधि की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री स्टालिन ने 'मौन यात्रा' का नेतृत्व किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता करुणानिधि की सातवीं पुण्यतिथि पर बृहस्पतिवार को उनके बेटे और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने यहां एक मौन यात्रा का नेतृत्व किया और मरीना बीच स्थित स्मारक पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। द्रमुक अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री स्टालिन के साथ इस मार्च में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, मंत्रिमंडल सहयोगी और टीआर बालू, ए राजा समेत कई वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। करुणानिधि की समाधि स्थल को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया था। वहां पहुंचकर मुख्यमंत्री ने और अन्य नेताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर स्टालिन ने द्रविड़ आंदोलन के युवा विद्वानों को प्रोत्साहित करने के लिए पार्टी की वित्तीय सहायता पहल 'कलैगनार निधिनलगाई थिट्टम' की शुरुआत की। द्रमुक अध्यक्ष ने द्रमुक मुखपत्र 'मुरासोली' और कलैगनार सेथिगल टेलीविजन की संयुक्त पहल 'कलैगनार मनवा पथिरिक्कैयालर थिट्टम' (कलैगनार छात्र पत्रकार योजना) की भी शुरुआत की।

तमिलनाडु एसआई षणमुगवेल हत्याकांड

मुठभेड़ में मुख्य आरोपी मणिकंदन ढेर, दो अन्य ने किया सरेंडर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुप्पुर। जिले के गुडिमंगलम में एक व्यक्ति और उसके बेटे के बीच हुए विवाद को सुलझाने पहुंचे विशेष उप निरीक्षक (एसएसआई) एम. षणमुगावेल की हत्या के मुख्य आरोपी को एक अन्य पुलिस उप-निरीक्षक पर हमला कर फरार होने की कोशिश के दौरान पुलिस ने गोली मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

मृतक आरोपी की पहचान मणिगंदन के रूप में हुई है। उसे पुलिस की एक टीम ने एक निर्जन स्थान से गिरफ्तार किया था जो उस निजी खेत के पास था जहां पांच अगस्त की रात मणिगंदन, उसके भाई और पिता ने नशे की हालत में एसएसआई षणमुगावेल पर हमला कर उनकी जान ले ली थी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मणिगंदन को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस उसे हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के लिए ले गई थी। हालांकि, वहां पहुंचने पर मणिगंदन ने अचानक एक उप-निरीक्षक श्रवण कुमार पर हंसिया से हमला कर भागने की कोशिश की। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, तमिलनाडु पुलिस ने एसएसआई षणमुगवेल की हत्या में शामिल आरोपियों को पकड़ने के लिए 6 विशेष टीमें बनाई थीं। 5 अगस्त को हुई एसआई षणमुगवेल की हत्या के बाद से मणिकंदन भी फरार था। राज्यव्यापी तलाशी अभियान के बाद एक विशेष टीम ने मणिकंदन के एक ठिकाने का पता लगाया। अधिकारियों ने बताया कि जब पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास किया, तो उसने कथित तौर पर एक एएसआई पर हथियार से हमला किया। पुलिस अधिकारी ने आत्मरक्षा में गोली चला दी, जिससे मणिकंदन की मौत हो गई। फिलहाल, उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इससे पहले, हत्याकांड में दो आरोपियों ने बुधवार को तिरुप्पुर जिला पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में सरेंडर किया, जिसमें आरोपी मूर्ति और उसका छोटा बेटा थंगापंडी शामिल है।

एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम में मौजूद एक अन्य अधिकारी ने इस दौरान उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उसके इनकार करने पर अधिकारी ने चिक्कनूर के पास उप्पारू नाले के समीप उसे गोली मार दी। मणिगंदन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल उप-निरीक्षक श्रवण कुमार को इलाज के लिए उदुमलाईपेट्टई सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मणिगंदन का भाई थंगापांडियन और पिता मूर्ति (दोनों ही अन्नाद्रमुक विधायक सी. महेन्द्रन के स्वामित्व वाले खेत में काम करते थे) ने छह अगस्त को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने इस हत्या पर गहरा दुख व्यक्त किया और मृतक अधिकारी के परिवार को एक करोड़ रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की। उन्होंने इस घटना को पुलिस बल के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

रेप्को बैंक द्वारा लाभांश के 22.90 करोड़ का चेक गृहमंत्री को सौंपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत सरकार का एक उद्यम एवं केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत रेप्को बैंक के अधिकारियों ने दिल्ली स्थित केंद्रीय गृह मंत्रालय में गृहमंत्री अमित शाह को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 22.90 करोड रुपए के लाभांश का चेक सौंपा है।

इस अवसर पर रेप्को बैंक के अध्यक्ष ई संथानम बैंक के निदेशक सी तंगराजू एवं प्रबंध निदेशक ओएम गोकुल सचिव गोविंद मोहन सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इनके साथ ही केंद्रीय गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव एफएफआर प्रभाग आर प्रसन्ना व संयुक्त सचिव मक्खन लाल मीणा भी उपस्थित रहे। ज्ञातव्य है कि वित्तीय वर्ष 2024 25 के लिए बैंक ने 140 करोड रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। केंद्रीय गृहमंत्री ने बैंक की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अपनी शुभकामनाएं दी है।

दो दिवसीय हाईलाइफ प्रदर्शनी का शानदार समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। फैशन और लाइफस्टाइल ब्रांडों की प्रदर्शनी के लिए देशभर में प्रसिद्ध हाईलाइफ एग्जीबिशन का दो दिवसीय प्रदर्शनी सह बिक्री अन्ना सलाई स्थित हयात रेजीडेंसी में आयोजित हुआ जिसमें डेढ़ सौ से ज्यादा ट्रेंड सेटिंग डिजाइनर और लग्जरी ब्रांड ने भाग लिया। इस एग्जीबिशन में क्यूरेटेड फैशन लेबल, डिजाइनर काउचर, स्टेटमेंट ज्वेलरी ,लग्जरी एसेसरीज, ब्राइडल वियर जैसी अनेक साज सज्जा के यूनिक उत्पादों ने आगुंतकों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

सुबह दस बजे से शुरू होकर रात्रि आठ बजे तक चलने वाला यह दो दिवसीय प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर मिस इंडिया 2023 वैशाली ढांढा सर्टिफाइड मास्टर साउंड हिलर पूजा दुगड अभिनेत्री दिव्या कृष्णन एवं हाइलाइफ प्रदर्शनी के एमडी अभय डोमिनिक सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

केरल निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची को अद्यतन करने की अंतिम तिथि बढ़ाई

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल राज्य निर्वाचन आयुक्त ए शाहजहां ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मतदाता सूची को अद्यतन करने की अंतिम तिथि 12 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। इससे पहले, मतदाता सूची के पुनरीक्षण की अंतिम तिथि 7 अगस्त निर्धारित की गई थी। विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने निर्वाचन आयुक्त को एक पत्र सौंपकर यह मांग की थी कि इस समय सीमा को कम से कम 15 दिन बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा था कि 23 जुलाई को मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद नए नाम जोड़ने के लिए केवल 15 दिन का समय दिया गया था।

सतीशन ने यह भी संकेत दिया कि नाम जोड़ने, संशोधन करने और एक वार्ड से दूसरे वार्ड में नाम स्थानांतरित करने की ऑनलाइन प्रक्रिया में कई क्षेत्रों में तकनीकी दिक्कतें सामने आ रही थीं। उन्होंने यह भी बताया कि इन तकनीकी समस्याओं के कारण कई लोग पंजीकरण नहीं कर पाए और पिछली मतदाता सूची में शामिल कई नाम वर्तमान प्रारूप सूची से गायब थे। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सनी जोसेफ और भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने भी मतदाता सूची के पुनरीक्षण की अंतिम तिथि बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग को पत्र भेजा था। स्थानीय निकाय चुनाव की तारीखों की घोषणा अभी तक नहीं की गई है।

संस्कृति कलाश्री पुरस्कार प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री जयाप्रदा को प्रदान किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां म्यूजिक अकादमी में संस्कृति सांस्कृतिक फाउंडेशन चेन्नई द्वारा संस्कृति कलाश्री पुरस्कार से अभिनेत्री जयाप्रदा को 3 जुलाई को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत संगीता मुट्टा, सीए कविता गुलेचा और मंगला बोहरा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुई। अध्यक्ष मुकेश मुत्ता ने सेलिब्रिटी जयाप्रदा, प्रायोजकों, पूर्व अध्यक्षों, सदस्यों, कददान सदस्यों, प्रेस और आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया। शुरुआत गणेश वंदना से हुई और इसके बाद हमारे अपने गायक-सदस्यों द्वारा जयाप्रदा के हिट गानों पर लाइव म्यूजिकल परफॉर्मेंस हुआ, जिसमें 'दफली वाले, गोरी है कलाईयाँ, इंतेहा हो गई इंतजार की' जैसे गाने शामिल थे। हमारे अपने सदस्यों और उनके बच्चों द्वारा जयाप्रदा के हिट गानों पर दो नृत्य प्रदर्शन किए गए। उन्होंने शानदार प्रदर्शन के लिए खड़े होकर तालियाँ बजाईं और इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर खुशी व्यक्त की। जयाप्रदा का स्वागत सचिव सीए विजय गुलेचा द्वारा शॉल से किया गया। उन्हें प्रथम महिला संगीता मुट्टा द्वारा ताज पहनाया गया। कददान अध्यक्ष सीए एमजी बोहरा द्वारा कलाश्री पुरस्कार का प्रशस्ति पत्र सौंपा गया। कलाश्री पुरस्कार अध्यक्ष श्री मुकेश मुत्ता द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष रमेश सुरजन, कोषाध्यक्ष सीए विक्रम सिंघवी, संयुक्त सचिव सुधर्शना बोहरा, गीत अध्यक्ष आनंद बिहानी, बोर्ड सदस्य जयंतिलाल तेलिसारा, मदन सुराना, सीए के एल जैन, महावीर पारख ने भाग लिया। संस्कृति कलाश्री पुरस्कार विजेता जयाप्रदा जी ने संस्कृति की सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखने और युवा पीढ़ी को गायन और नृत्य में प्रदर्शन करने के लिए मंच देने की सराहना की। उन्होंने बालिका शिक्षा और महिला सशक्तिकरण की अपील की।

बलात्कार के आरोपी मलयालम रैपर वेदान पर नजर रखी जा रही है : पुलिस

कोच्चि। जाने-माने मलयालम रैपर और बलात्कार मामले के आरोपी वेदान उर्फ हीरादास मुरली पर पुलिस सक्रियता से नजर रखे हुए हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। वेदान पर 2021-2023 के बीच राज्य में विभिन्न स्थानों पर कई मौकों पर एक महिला चिकित्सक से ''बलात्कार'' करने का आरोप है। कोच्चि शहर के पुलिस आयुक्त पुट्टा विमलादित्य ने यहां संवाददाताओं को बताया कि रैपर इस समय कहां है, इस पर नजर रखी जा रही है लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वेदान को फिलहाल फरार नहीं माना जा रहा है। उन्होंने बताया कि वेदान ने केरल उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है और जब तक उस पर सुनवाई नहीं हो जाती, जांच प्रक्रिया जारी रहेगी।

अधिकारी ने कहा, ''गवाहों से पूछताछ और मामले से जुड़ी सामग्री एकत्र करने का काम जारी रहेगा।'' महिला चिकित्सक की शिकायत पर रैपर के खिलाफ श्रिक्काकारा पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 376 (बलात्कार) और 376(2)(एन) (एक महिला से बार-बार बलात्कार) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने पहले चिकित्सक की शिकायत के हवाले से बताया था कि डाक्टर और वेदान के बीच कुछ वित्तीय लेन-देन हुआ था। वेदान पर पहले भी गलत काम करने के आरोप लगे हैं।

वेलाम्मल विद्यालय ने विश्व स्कूल टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। चेन्नई के वेलाम्मल विद्यालय ने अमेरिका के वर्जीनिया में आयोजित विश्व स्कूल टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी उपलब्धियों में और इजाफा किया है। सबसे युवा विश्व चैंपियन डी गुकेश और ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने इसी स्कूल से पढ़ाई की है। चेन्नई के मोगाप्पैर इलाके में स्थित वेलाम्मल विद्यालय शतरंज क्रांति के पीछे एक बड़ी ताकत रहा है क्योंकि यह सैकड़ों उभरते हुए शतरंज खिलाड़ियों को विशेषज्ञ प्रशिक्षण प्रदान करता है।

शतरंज की वैश्विक संचालन संस्था फिडे ने बृहस्पतिवार को लिखा, ''आठ रोमांचक दौर के बाद 2025 विश्व स्कूल टीम चैंपियनशिप आज वर्जीनिया के अलेक्जेंड्रिया में संपन्न हुई।'' उन्होंने कहा, ''एपिस्कोपल हाई स्कूल के खूबसूरत परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में दुनिया भर के कुछ सबसे प्रतिभाशाली युवा शतरंज खिलाड़ियों ने चुनौती पेश की। परफेक्ट स्कोर के साथ बाकियों से आगे निकलते हुए भारत के वेलाम्मल एमएचएस स्कूल ने अपने सभी आठ मैच जीतकर स्वर्ण पदक जीता।''

फिडे ने कहा कि वेलाम्मल स्कूल की जीत शतरंज में भारत के बढ़ते खिताबों में एक और अध्याय जोड़ती है। फिडे ने कहा, ''भारत शतरंज के सभी स्तरों और प्रारूपों में लगातार सफलता हासिल कर रहा है और इस जीत से देश के बढ़ते खिताबों में एक और खिताब जुड़ गया है।'' उन्होंने कहा, ''वेलाम्मल एमएचएस के लिए सफलता नई नहीं है- इसके पूर्व छात्रों में ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा और लियोन मेंडोंका शामिल हैं। इसलिए जब टीम पहले से ही शीर्ष स्थान हासिल करके अंतिम दौर में पहुंची तो यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी।''

वेलाम्मल स्कूल ने 2005 के बाद से कई ग्रैंडमास्टर दिए हैं जिनमें एसपी सेतुरमन, मेंडोंका, के प्रियदर्शन, बी अधिबान, विष्णु प्रसन्ना, विशाख एनआर, विग्नेश एनआर, एम कार्तिकेयन, सी अरविंद, कार्तिक वेंकटरमन, वी प्रणव, एस भरत, अर्जुन कल्याण, पी कार्तिकेयन और एन श्रीनाथ शामिल हैं।

भारत के बढ़ते वर्चस्व से अमेरिका पस्त : एएनएस प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत सीमा शुल्क का दुस्साहसिक और गैरकानूनी अधिरोपण, अमेरिका के स्व-प्रेरित आर्थिक और भू-राजनीतिक पतन की शुरुआत का प्रतीक है बताया। उन्होंने कहा कि यह नीति भारत को कमज़ोर करने के बजाय, यह बेतहाशा टैरिफ़ अमेरिका के लिए एक विनाशकारी झटका होगा, उसकी असुरक्षाओं को उजागर करेगा और उसके वैश्विक प्रभाव को कमज़ोर करेगा। भारत जैसी उभरती महाशक्ति को नाराज़ करके, अमेरिका ने गलत अनुमान लगाया है, जिससे वैश्विक स्तर पर उसके पतन का मार्ग प्रशस्त हो गया है। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाना महज़ एक व्यापार नीति नहीं, बल्कि भारत के अजेय उदय से अमेरिका के डर को दर्शाता एक हताशा भरा कदम है। यह कदम ट्रंप के आत्मविश्वास की कमी और एक विश्वसनीय सहयोगी के साथ पारदर्शी तरीके से संवाद करने में अमेरिका की विफलता को उजागर करता है। किसी रणनीतिक विजय से कोसों दूर, यह निर्णय इतिहास में एक शर्मनाक अध्याय के रूप में अंकित होगा, जो अमेरिका की कूटनीतिक संकीर्णता की ओर पतन का प्रतीक है। कभी वैश्विक नेतृत्व का प्रतीक रहा अमेरिका अब ट्रंप के लड़खड़ाते नेतृत्व में वैश्विक तिरस्कार का सामना कर रहा है।

उन्होंने कहा कि वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत पिछले 11 वर्षों में एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा है। मज़बूत बुनियादी ढाँचे, आत्मनिर्भर उद्योगों और अत्याधुनिक तकनीकी प्रगति के साथ, भारत एक ऐसी शक्ति है जिसका सामना करना ज़रूरी है। मोदी के आर्थिक पुनरुत्थान ने भारत को वैश्विक व्यापार में अग्रणी बना दिया है, जिसका सकल घरेलू उत्पाद 3.6 ट्रिलियन डॉलर (विश्व बैंक, 2024) और 2024 में 8.2 प्रतिशत की विकास दर (आईएमएफ) है। विकासशील देशों की सहायता से लेकर वैश्विक साझेदारियाँ बनाने तक, भारत के योगदान ने इसे सार्वभौमिक सम्मान दिलाया है।।

मोदी की निरंतर वैश्विक पहुँच-क्वाड, जी20 और अफ्रीका व लैटिन अमेरिका के साथ साझेदारी के माध्यम से संबंधों को मज़बूत करना-ने भारत की सॉफ्ट पावर को बढ़ाया है। भारत की संप्रभुता को अक्षुण्ण रखते हुए जटिल भू-राजनीतिक परिदृश्यों को संभालने की उनकी क्षमता ने विश्व नेताओं का विश्वास अर्जित किया है। इसके विपरीत, ट्रम्प की अलगाववादी नीतियाँ और अनिश्चित टैरिफ़ सहयोगियों को अलग-थलग कर देते हैं, जिससे बहुध्रुवीय विश्व में अमेरिका कमज़ोर हो जाता है।

वैश्विक व्यापार के प्रति भारत का आधुनिक दृष्टिकोण इसके बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करता है।* *अमेरिका की कूटनीतिक ग़लतियाँ व्यापार से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के लड़खड़ाते नेतृत्व में, अमेरिका की कूटनीतिक ग़लतियों ने उसकी वैश्विक विश्वसनीयता को कमज़ोर कर दिया है। 2019 के पुलवामा हमले के बाद भारत की निर्णायक सर्जिकल स्ट्राइक ने उसके दृढ़ संकल्प को दर्शाया, जबकि मोदी और जयशंकर ने अमेरिकी मध्यस्थता को ठुकराकर भारत की स्वायत्तता की पुष्टि की। पाकिस्तान की इस पहल ने अमेरिका की अप्रासंगिकता को उजागर कर दिया। 2025 में, भारत की पहलगाम हमले की त्वरित प्रतिक्रिया ने ख़तरों को बेअसर कर दिया, जिससे मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में उसकी रणनीतिक क्षमता और वैश्विक कद मज़बूत हुआ। भारत के प्रति पाकिस्तान की इस पहल ने अमेरिका की कूटनीतिक अप्रासंगिकता को और उजागर कर दिया, जिससे ट्रंप की विदेश नीति की विश्वसनीयता धूमिल हो गई। अमेरिका का पाखंड तब उजागर हुआ जब उसने प्रतिबंधों का हवाला देते हुए रूसी कच्चे तेल के आयात पर भारत पर 25% टैरिफ लगा दिया। भारत की तीखी प्रतिक्रिया-जिसमें अमेरिका द्वारा रूस से संवर्धित यूरेनियम के आयात पर ज़ोर दिया गया (अमेरिकी ऊर्जा विभाग, 2024)-ने अमेरिका के दोहरे मानदंडों को उजागर किया। इस आलोचना ने दुनिया को वैश्विक व्यापार में अमेरिका की ईमानदारी पर सवाल उठाने पर मजबूर कर दिया, जिससे उसका नैतिक अधिकार और कमज़ोर हो गया। भारत, जो एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है, पर ट्रंप का 50% टैरिफ़ लगाना एक आत्मघाती कदम है। भारत के निर्यात, जिनमें दवाइयाँ (अमेरिकी जेनेरिक दवाओं का 40% एफडीए) और आईटी सेवाएँ शामिल हैं, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत के साथ अमेरिका का 36 अरब डॉलर का व्यापार घाटा (अमेरिकी जनगणना ब्यूरो, 2023) और भी बदतर हो सकता है क्योंकि भारत यूरोपीय संघ, आसियान और ब्रिक्स देशों की ओर बढ़ रहा है, जिससे अमेरिका आर्थिक रूप से अलग-थलग पड़ रहा है। भारत के 1.1 ट्रिलियन डॉलर के बुनियादी ढाँचे के निवेश (नीति आयोग, 2020-2025) और मेक इन इंडिया जैसी पहलों ने इसे एक विनिर्माण महाशक्ति में बदल दिया है। हरित ऊर्जा में इसकी अग्रणी स्थिति, जिसका लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय क्षमता हासिल करना है, भारत को वैश्विक जलवायु परिवर्तन में अग्रणी बनाती है। भारत का विविध व्यापार अमेरिकी शुल्कों के प्रति लचीलापन सुनिश्चित करता है। आईएमएफ और विश्व बैंक सहित वैश्विक आर्थिक विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अमेरिका के आक्रामक टैरिफ से उसकी अर्थव्यवस्था अस्थिर होने का खतरा है। 2025 में भारत की अनुमानित 7% वृद्धि (आईएमएफ) और वैश्विक व्यापार में इसकी भूमिका इसे अपरिहार्य बनाती है। भारत द्वारा वैकल्पिक बाजारों के साथ संबंध मजबूत करने से अमेरिका के आर्थिक अलगाव का खतरा बढ़ रहा है।

प्रसाद ने विज्ञप्ति में कहा कि वर्ष 2047 तक दुनिया की अग्रणी शक्ति बनने की दिशा में भारत का पथ अजेय है। नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में मोदी के नेतृत्व ने भारत को एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित किया है। उनकी समावेशी दृष्टि, ट्रम्प के प्रतिगामी विश्वदृष्टिकोण के विपरीत है, जिससे भारत को वैश्विक प्रशंसा मिल रही है। मोदी के नेतृत्व में भारत की यात्रा लचीलेपन और प्रगति की यात्रा रही है। कोविड-19 पर विजय से लेकर वैश्विक महाशक्ति बनने तक, भारत ने अपनी धाक जमाई है। ट्रंप के टैरिफ़ को उस ग़लती के रूप में याद किया जाएगा जिसने अमेरिका के पतन को तेज़ किया और भारत के विश्व के अग्रणी नेता के रूप में उदय का मार्ग प्रशस्त किया।

शिवकुमार द्वारा चलाए गए दोपहिया वाहन का यातायात उल्लंघन जुर्माना चुकाया गया

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार द्वारा हेब्बाल फ्लाईओवर लूप के निरीक्षण करने के दौरान चलाए गए दोपहिया वाहन पर लंबित 18,500 रुपये का यातायात जुर्माना वाहन मालिक ने चुका दिया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यातायात पुलिस के अनुसार, वाहन का मालिक छह अगस्त को आरटी नगर यातायात पुलिस थाने पहुंचा और पूरा जुर्माना चुका दिया। बेंगलूरु यातायात पुलिस की वेबसाइट के अनुसार, शिवकुमार ने पांच अगस्त को निरीक्षण के दौरान जो दोपहिया वाहन चलाया था, उस पर यातायात उल्लंघन के 34 मामले दर्ज थे।

कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए महिला सुरक्षा हमारी प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि समाज को सही दिशा देने एवं देश-प्रदेश को मजबूत करने में महिलाओं की अहम भूमिका है। महिला एक कदम चलेगी तो राजस्थान सौ कदम आगे बढ़ेगा। हमारी सरकार भी इस आधी आबादी की सुरक्षा एवं सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मीडिया सरकार एवं जनता के मध्य सेतु की तरह कार्य करता है। ऐसे में हमारी महिला पत्रकार भारत और राजस्थान की शिल्पकार के रूप में बेहतरीन काम कर रही हैं।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर 'मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन-मीडिया की बहनों का सम्मान' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी महिला पत्रकारों को राखी की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्यौहार हमारी संस्कृति में भाई-बहन के परस्पर स्नेह का द्योतक है। बहन द्वारा बांधा गया रक्षा सूत्र भाई को सुरक्षा कवच देता है। आपका यह भाई आपकी हर तरीके से सुरक्षा एवं सहयोग के लिए तैयार खड़ा है। उन्होंने कहा कि महिला पत्रकार बड़ी जिम्मेदारी से लोकतंत्र को मजबूत करने का कार्य कर रही हैं। आपकी लेखनी और आपके द्वारा कही गई हर बात समाज में विश्वास पैदा करता है। इस आधी आबादी के सहयोग से ही हम हर लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रदेश की महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गरीब परिवार की महिलाओं को 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर, मा वाउचर योजना के तहत निशुल्क सोनोग्राफी, लाडो प्रोत्साहन योजना, स्कूटी और साइकिल वितरण जैसी योजनाओं एवं नवाचारों से महिलाओं को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार द्वारा कालिका पेट्रोलिंग यूनिट, तीन महिला बटालियन, 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड, पुलिस थानों में महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी सशक्तीकरण के क्षेत्र में नई उड़ान मिली है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, लखपति दीदी जैसी योजनाओं से महिलाएं मजबूत हो रही हैं। साथ ही, नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संसद तथा विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम', स्वच्छता अभियान जैसे सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों में जनसहभागिता को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने सभी महिलाओं से अपील की कि वे नागरिक कर्तव्यों का पालन करते हुए राज्य एवं केन्द्र सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने में मदद करें।

इस अवसर पर विभिन्न मीडिया संस्थाओं की महिला पत्रकारों ने मुख्यमंत्री को तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधा। महिला पत्रकारों ने कहा कि यह पहला अवसर है जब हम महिला मीडियाकर्मियों ने मुख्यमंत्री के राखी बांधी है। यह दर्शाता है कि राज्य सरकार महिलाओं के हितों के लिए सजग है। हमारे भाई भजनलाल जी राजस्थान में महिला सुरक्षा एवं महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए बेहतरीन काम कर रहे हैं। सरल व्यक्तित्व के धनी शर्मा गरीब, महिला, युवा, किसान के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। महिला मीडियाकर्मियों ने शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है जिससे समाज में महिलाओं की सुरक्षा बढ़ी है तथा प्रशासन में विश्वास कायम हुआ है। इस दौरान बड़ी संख्या में मीडिया जगत से जुड़ी महिला पत्रकार मौजूद रहीं।

कांवड़ लेकर लौट रहे भरतपुर जिले के तीन युवकों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भरतपुर जिले के बयाना के तीन युवकों की उत्तर प्रदेश के मथुरा में सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी और एक घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बयाना के लहचोरा गांव के चार युवक डाक कांवड़ लेकर ट्रैक्टर ट्रॉली से बयाना लौट रहे थे। तड़के करीब तीन बजे मथुरा के जमनापार थाना क्षेत्र में नगला सिरिया गांव के पास जयपुर-बरेली बायपास पर वहां से गुजर रहे एक ट्रक का टायर फट गया जिससे वह अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गया। इससे ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार भीम, भूपेंद्र और बबली की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मथुरा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मथुरा के पुलिस अधीक्षक (सिटी) राजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भिजवाया। मृत युवकों के शव सरकारी अस्पताल के शवगृह में रखवा दिये। परिजनों के आने के बाद शवों का पोस्टमॉर्टम किया जायेगा।

दस पाकिस्तान विस्थापितों को सौंपे नागरिकता प्रमाण पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को यहां 10 पाकिस्तान विस्थापितों को भारतीय नागरिकता का प्रमाण पत्र सौंपा। पटेल ने श्रीमती संगीता, हरिचंद, श्रीमती चमेली बाई, मुकेश कुमार, श्रीममुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इसी संवेदनशीलता के चलते बरसों से भारतीय नागरिकता के लिए प्रयास कर रहे 10 पाक विस्थापितों के लिए गुरुवार का दिन खुशियां लेकर आया। कलियां देवी, कंवर लाल, संतोष कुमार, सुनित कुमार, श्रीमती राजकुमारी एवं सुखिआना माहेश्वरी को नागरिता प्रमाण पत्र सौंपे।

भारतीय नागरिकता प्राप्त करने वाले पाक विस्थापितों को शुभकामनाएं देते हुए प्रभारी मंत्री पटेल ने कहा कि आज का दिन उन सभी पाक विस्थापित भाइयों-बहनों के लिए एक ऐतिहासिक और भावनात्मक क्षण है, जिन्होंने वर्षों तक अपने अधिकारों और पहचान की प्रतीक्षा की। भारतीय नागरिकता प्राप्त कर अब आप विधिवत रूप से इस महान राष्ट्र का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। यह नागरिकता केवल एक दस्तावेज नहीं बल्कि भारत माता की गोद में मिला सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मगौरव है। हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र के साथ समर्पित भाव से कार्य कर रही है।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आप सभी भारत की उन्नति और समरसता में सक्रिय भागीदार बनेंगे। वहीं, अरसे बाद नागरिकता प्रमाण पत्र मिलने पर पाक विस्थापितों की आंखें छलक आईं।

उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि बरसों की बेमुल्क ज़िंदगी के बाद अब हमें अपनी मिट्टी से कानूनी पहचान मिली है, आज कई सालों का लंबा इंतजार खत्म हुआ है और आज हम फक्र के साथ कह सकते हैं कि हम भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकता का प्रमाण नहीं होने के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ भी उन्हें नहीं मिल पा रहा था लेकिन अब भारतीय नागरिकता मिलने के बाद ना केवल उन्हें पहचान मिली है बल्कि अब सरकारी योजनाओं की मदद से वे अपने परिवार का भरण पोषण बेहतर तरीके से कर पाएंगे। नागरिक प्रमाण पत्र वितरण समारोह में राजस्थान जीव जंतु बोर्ड कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) संतोष मीणा सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गौरतलब है कि जयपुर जिला प्रशासन द्वारा भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 की विभिन्न धाराओं के तहत पात्रता प्राप्त करने एवं विहित प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात अब तक कुल 340 पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र जारी किये गए हैं।

जैसलमेर जिले में 70 से अधिक विद्यालय भवन जर्जर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर जिले में गत दिनों पूनमनगर विद्यालय में छात्र की मौत के बाद जिले में सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में कराये गये भौतिक सर्वेक्षण में 70 से अधिक विद्यालयों के भवन जर्जर हालत में पाये गये हैं। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि इस दौरान करीब 2100 से अधिक विद्यालय कक्षों को असुरक्षित पाया गया। इन जर्जर कक्षों में कक्षाओं का संचालन नहीं हो रहा है। निरीक्षण के उपरांत जिन विद्यालय भवनों एवं कक्षों को जर्जर पाया गया, उन पर ताला लगाने एवं लाल निशान लगाने के निर्देश दिये गये हैं। नगर परिषद द्वारा क्षेत्र के जर्जर मकानों का सर्वेक्षण करके संबंधित मकान मालिकों किसी भी प्रकार की जनहानि न हो इसके लिए अपने स्तर पर हटाने या उतरवाने के लिए 29 जर्जर इमारतों के मालिकों को तीन दिन के नोटिस द्वारा सूचित किया गया और सोनार दुर्ग पर दो अति जर्जर मकानों को ध्वस्त किया गया।

सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार अतिरिक्त जिला कलेक्टर परसा राम के नेतृत्व में विशेष जांच दलों का गठन करके विद्यालयों भवनों का सघन निरीक्षण करवाया गया। इन दलों में सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर परिषद, डिस्कॉम, वाटरशेड, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और अन्य संबंधित विभागीय अभियंताओं को शामिल किया गया। दलों ने उपखंड अधिकारियों के निर्देशन में जैसलमेर की विभिन्न ग्राम पंचायतों की विद्यालयों का संघन निरीक्षण किया।

गुर्जर आरक्षण आंदोलन से संबंधित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए उच्च अधिकारियों को किया नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिवालय में गुरुवार को अति पिछड़ा वर्ग एवं गुर्जर समाज की विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए मंत्रीगण समिति की तृतीय बैठक आयोजित की गयी। बैठक में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत तथा गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने भाग लिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर बनी समिति की बैठक में गुर्जर आरक्षण समिति द्वारा सुझाए सातों बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा उपरांत महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में समिति ने सिकंदरा के स्वर्गीय रूपनारायण गुर्जर के आश्रित को नगरीय निकाय विभाग में अनुकंपा नियुक्ति तथा पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया। समिति ने शिक्षा व अन्य विभागों में एमबीसी कार्मिकों के नियमितीकरण,पदोन्नति सहित विभिन्न लंबित विषयों के निस्तारण के लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अधीन कार्मिकों को अधिकार देने का सकारात्मक निर्णय लिया। बैठक में गुर्जर आरक्षण आंदोलन से संबंधित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए जिला स्तर पर अतिरिक्त अधीक्षक पुलिस रेंक के अधिकारी को नोडल व राज्य स्तर पर कॉर्डिनेशन के लिए महानिरीक्षक पुलिस स्तर के अधिकारी को नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। साथ ही, शेष बिंदुओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्णय लेने की दिशा में विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग श्रीमती अपर्णा अरोरा, शासन सचिव, कार्मिक विभाग डॉ. कृष्णा कान्त पाठक, निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग आशीष मोदी सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान के किसान करेंगे नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया का भ्रमण

जयपुर । राज्य सरकार किसानों की क्षमता संवर्धन के दृष्टिगत उन्हें कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकों के उपयोग के लिए निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नॉलेज इनहांसमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत प्रदेश के 100 किसानों के विदेश भ्रमण और प्रशिक्षण की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री शर्मा की इस स्वीकृति से एफपीओ के 100 किसान नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और ब्राजील का भ्रमण करेंगे। इस एक्सपोजर विजिट में किसान नवीनतम तकनीकों एवं नवाचार के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

राजनीतिक दल मतदान केन्द्रों के लिए नियुक्त करें बूथ स्तरीय अभिकर्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं इसमें शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण सुनिश्चित करने हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रस्तावित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन/सुव्यवस्थीकरण के संदर्भ में उप जिला निर्वाचन अधिकारी, जयपुर आशीष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर में गुरुवार को राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित हुई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025-26 के अन्तर्गत मतदाता सूचियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं इसमें शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की ओर से विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों पर 1 व 2 बूथ स्तरीय अभिकर्ता अनिवार्य रूप से नियुक्त किये जाएं। उन्होंने बताया कि मतदान दिवस पर मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की भीड़ को कम करने के उदेश्य से 1200 से अधिक मतदाता वाले मतदान केन्द्रों का सुव्यवस्थिकरण / पुनर्गठन / नवसृजन/विभाजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया की जयपुर जिले में वर्तमान में 4302 मतदान केन्द्र स्थापित हैं। पुनर्गठन प्रक्रिया में 2143 मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन किया जा रहा है, 180 मतदान केन्द्रों का विभाजन किया जा रहा है।

जिससे करीब 741 नवीन मतदान केन्द्रों का सृजन होगा। जिसके पश्चात जिले में मतदान केन्द्रों की कुल संख्या 5043 हो जायेगी। राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन अन्तिम बार वर्ष 2002 में किया गया था।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने किया भरतपुर व दौसा जिलों का दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने गुरुवार को दौसा में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की उच्च तकनीकों का निरीक्षण किया एवं भरतपुर के हिंगोटा एवं खटोरी में फूडपार्क स्थल व निठार एवं मई गुर्जर में मधुमक्खी पालन उत्कृष्टता केंद्र के लिए स्थल चयन हेतु मौका निरीक्षण किया, जिसमें विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण भी मौजूद रहे। शासन सचिव राजन विशाल ने भरतपुर जिले की पंचायत समिति भुसावर के गांव मालपुरा में सांथा बॉर्डर के पास एवं मई गुर्जर का भ्रमण किया।

यहां माननीय मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के तहत प्रस्तावित मधुमक्खी पालन उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना हेतु उपयुक्त स्थल चयन के लिए विभागीय अधिकारियों से बातचीत की। भ्रमण के दौरान हल्का पटवारी से मालपुर व निठार क्षेत्र में भूमि उपलब्धता की जानकारी ली तथा क्षेत्र में मधुमक्खियों के लिए पूरे वर्ष फ्लोरा की उपलब्धता की भी जानकारी ली गई। इसके बाद शासन सचिव द्वारा नदबई पंचायत समिति के गांव खटौटी में कृषि विपणन बोर्ड द्वारा तैयार किए जा रहे फूड प्रोसेसिंग पार्क का भी निरीक्षण किया गया। शासन सचिव राजन विशाल ने दौसा जिले के नांगल राजावतान क्षेत्र के कोल्यावास गांव में कृषक सीताराम मीणा के खेत का भ्रमण किया, जहां अटल भूजल योजना के अंतर्गत वर्षा आधारित उच्च उद्यानिकी तकनीकों का मॉडल तैयार किया गया है। इस तकनीक के अंतर्गत वर्षा जल का संग्रहण कर फार्म पॉण्ड, सोलर पंप, पोलीहाउस, ड्रिप इरिगेशन, मिनी स्प्रिंकलर, मल्च, ग्रीनहाउस आदि आधुनिक तकनीकों के माध्यम से टिकाऊ खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। कृषक मीणा ने बताया कि अटल भूजल योजना से उन्हें वर्षा जल संग्रहण द्वारा लाभ हुआ है और अब वे जैविक खेती कर अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं।

विशेषज्ञों ने राजस्थान में गोडावण के लिए प्राथमिकता वाला क्षेत्र बढ़ाने का सुझाव दिया : केंद्र सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि राजस्थान में गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) के पर्यावासों में अतिरिक्त 850 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र जोड़ने का सुझाव दिया गया है। विलुप्तप्राय ये पक्षी विशेष रूप से राजस्थान और गुजरात में पाए जाते हैं और उनकी संख्या में चिंताजनक कमी का कारण उनके पर्यावास के निकट बने सौर संयंत्रों सहित ओवरहेड विद्युत पारेषण लाइन के साथ बार-बार टकराने को माना जा सकता है। इन पक्षियों की आंखें उनके सिर के किनारों पर होती हैं इसलिए उनकी दृष्टि पार्श्व होती है तथा जब सामने तार आ जाते हैं तो उन्हें अपनी उड़ान का मार्ग बदलने में कठिनाई होती है।

यह देखते हुए कि ये पक्षी एक विलुप्तप्राय प्रजाति हैं और जिनके तत्काल संरक्षण की आवश्यकता है, उच्चतम न्यायालय ने पिछले वर्ष मार्च में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था और बिजली के तारों को भूमि के नीचे बिछाने और राजस्थान तथा गुजरात में गोडावण (जीआईबी) के संभावित पर्यावासों पर सुझाव देने को कहा था। यह मामला बृहस्पतिवार को न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर

जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि शुरुआत में राजस्थान और गुजरात में लगभग 99,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया गया था, जहां गोडावण के संरक्षण के लिए नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं नहीं लग सकीं।

मार्च 2024 के फैसले का हवाला देते हुए, भाटी ने कहा कि शीर्ष अदालत ने समिति का गठन किया था, जिसने राजस्थान और गुजरात के लिए दो रिपोर्ट पेश की हैं। उन्होंने कहा कि फैसले में प्राथमिकता और संभावित क्षेत्रों का उल्लेख किया गया था। भाटी ने कहा कि समिति का मत है कि राजस्थान में लगभग 13,000 वर्ग किलोमीटर का मूल प्राथमिकता वाला क्षेत्र निषिद्ध तथा प्राथमिकता वाला क्षेत्र बना रहना चाहिए। उन्होंने रिपोर्ट के कुछ पहलुओं पर असहमति जताते हुए कहा, इसके अलावा, समिति ने 850 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अतिरिक्त प्राथमिकता वाले क्षेत्र के रूप में जोड़ने की सिफारिश की है, जो पूरी तरह से निषिद्ध बनी रहनी चाहिए। भाटी ने कहा कि अदालत को दोनों रिपोर्ट पर विचार करना होगा।

राजस्थान के मामले में फैसले में कहा गया था कि 13,163 वर्ग किलोमीटर प्राथमिकता क्षेत्र, 78,580 वर्ग किलोमीटर संभावित क्षेत्र और 5,977 वर्ग किलोमीटर अतिरिक्त महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। इसी प्रकार, गुजरात के मामले में फैसले में कहा गया था कि 500 वर्ग किलोमीटर प्राथमिकता क्षेत्र, 2,100 वर्ग किलोमीटर संभावित क्षेत्र और 677 वर्ग किलोमीटर अतिरिक्त महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। सुनवाई के दौरान पीठ ने पूछा कि क्या समिति की सिफारिशों का कोई विरोध हुआ है। पीठ ने मामले की सुनवाई 16 सितंबर के लिए स्थगित कर दी।

संभल कोई विवाद नहीं बल्कि सच्चाई है, सच छुपाने वालों को सजा जरूर मिलेगी : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संभल कोई विवाद का विषय नहीं, बल्कि एक सच्चाई है और इस सत्य को छुपाने वाले लोगों को उनके 'पाप' की सजा जरूर मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने संभल में 659 करोड़ रुपए की 222 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद अपने सम्बोधन में कहा कि संभल आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हरि और हर यानी विष्णु और शिव का जहां सामूहिक रूप से दर्शन हो सकता हो, वही हरिहर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पावन ग्रंथों में माना गया है कि भगवान विष्णु का दसवां अवतार इसी संभल में होगा, मगर कुछ लोगों को यह विवादित विषय लगता है। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा, ''कुछ लोगों को यह विवादित विषय लगता होगा, क्योंकि जिनकी पृष्ठभूमि ही विवादित है, जिनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि ही उनकी विरासत है, उन्हें हिंदू परंपरा में विवाद नजर आता है... लेकिन यह विवाद का विषय नहीं हो सकता।'' आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण, स्कंद पुराण और विष्णु महापुराण में भी संभल का जिक्र मिलता है। यह पुराण 'चिल्ला चिल्ला कर' इस बात का उल्लेख कर रहे हैं कि भगवान विष्णु का दसवां अवतार कल्कि के रूप में संभल में ही होगा। उन्होंने कहा, ''स्कंद पुराण में इस बारे में कहा गया है कि संभल नगर भागीरथी गंगा और रामगंगा के मध्य में 36 किलोमीटर के दायरे में स्थित है। श्रीमद् भागवत पुराण में भी इस बात का उल्लेख किया गया है कि चंद्रमा, सूर्य और बृहस्पति तीनों ग्रह जब पुष्य नक्षत्र के प्रथम चरण में एक साथ प्रवेश करेंगे तभी सतयुग का प्रारंभ होगा और श्री कल्कि श्री विष्णु के अवतार के रूप में आएंगे।''

मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, ''अब जिसके पास दृष्टि न हो उसके बारे में हम क्या कह सकते हैं। संभल एक सच्चाई है। इस सच्चाई का उल्लेख हमारे ग्रंथ करते हैं। यहां 68 तीर्थ थे और 19 पावन कूप थे। परिक्रमा का मार्ग था.... सब कुछ था। कैसे विदेशी आक्रांताओं ने बार-बार अत्याचारों से इन तीर्थों को नष्ट किया, अपवित्र किया, तीर्थों और कूपों पर कब्जे हो गए, मार्ग तोड़ दिए गए, 284 कोसी के परिक्रमा मार्ग को बाधित किया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि सच को छुपाने का कुत्सित प्रयास किया गया।'' उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, ''आजादी के बाद संभल के साथ क्या नहीं हुआ।

लोकसभा में मणिपुर वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, मणिपुर विनियोग विधेयक पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर लोकसभा में बृहस्पतिवार को विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के बीच मणिपुर वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 और मणिपुर विनियोग विधेयक, 2025 को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उन पर निशाना साधते हुए कहा, ''मणिपुर के लिए घड़ियाली आंसू बहाने वाले विपक्षी दल मणिपुर के हित में जो पैसा जा रहा है, उसके खिलाफ बोल रहे हैं।'' सीतारमण ने कहा कि विपक्ष हमेशा मणिपुर के बारे में बातें करता है लेकिन वे मणिपुर को धनराशि नहीं जाने दे रहे हैं और (मणिपुर के) बजट के खिलाफ बोल रहे हैं। जीएसटी परिषद द्वारा अनुमोदित निर्णयों को लागू करने के लिए पारित किया गया मणिपुर वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 इस संबंध में लागू किए गए मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, 2025 का स्थान लेगा। विधेयक को चर्चा और पारित करने के लिए पेश करते हुए, सीतारमण ने कहा कि संशोधन एक संवैधानिक आवश्यकता है जिस पर अभी विचार किया जाना चाहिए।

वित्त मंत्री ने कहा, ''अगर यह अभी पारित नहीं होता है, तो राज्य को उन संशोधनों को लागू करने में कठिनाई होगी, जिन्हें परिषद द्वारा लंबे समय से अनुमोदित किया गया है। उनका राजस्व प्रभावित होगा क्योंकि उनके पास कुछ वस्तुओं पर (कर) लगाने का अधिकार नहीं होगा।'' अन्य संशोधनों के अलावा, यह विधेयक मणिपुर जीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 9 में बदलाव करने का प्रस्ताव करता है, जिससे राज्य को ''मानव उपभोग के लिए शराब के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले अल्कोहल या संशोधित स्पिरिट पर राज्य कर लगाने'' की अनुमति मिल जाएगी।

बिहार: पटना के डाक बंगला चौराहे पर पुलिस ने एसटीईटी अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज किया

पटना/भाषा। बृहस्पतिवार को यहां डाक बंगला चौराहे पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पुलिस ने शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-5) से पहले माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) आयोजित करने की मांग कर रहे अभ्यर्थियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया।

पुलिस अधीक्षक, पटना (मध्य), दीक्षा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, प्रदर्शनकारी डाक बंगला चौराहे के पास जमा हो गए और यातायात को बाधित कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने अवरोधकों को लांघने की कोशिश भी की। सुरक्षाकर्मियों के बार-बार अनुरोध के बावजूद, उन्होंने सड़कें खाली करने से इनकार कर दिया। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि लाठीचार्ज में कई लोग घायल हो गए, जिसे अधिकारियों ने नकार दिया। राहुल कुमार नाम के एक प्रदर्शनकारी ने कहा, हमने बस यही मांग की थी कि बिहार लोक सेवा आयोग की टीआरई-5 से पहले एसटीईटी आयोजित हो।

चुनाव अधिकारी मुझे दो ईपीआईसी नंबर के लिए नोटिस जारी कर अपनी गलती के लिए दोषी ठहरा रहे हैं: तेजस्वी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को यहां निर्वाचन अधिकारियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने दो ईपीआईसी (मतदाता फोटो पहचान पत्र) नंबर रखने के लिए नोटिस भेजकर ''खुद की गलती के लिए उन्हें दोषी ठहराया है।''

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि पिछले सप्ताह भेजे गए नोटिस का ''एक अच्छा जवाब'' तैयार किया जा रहा है, जिससे ''उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं बचेगा।'' राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''मुझे निर्वाचन आयोग से नहीं, बल्कि पटना जिला प्रशासन से नोटिस मिला है। एक अच्छा जवाब तैयार किया जा रहा है और जवाब मिलने पर उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं बचेगा। वे अपनी गलती के लिए मुझे दोषी ठहरा रहे हैं। अगर मेरे नाम पर दो ईपीआईसी नंबर जारी किए हैं तो यह किसकी गलती है? आखिरकार, मैं एक ही जगह से वोट डालता रहा हूं।'' पिछले सप्ताह उन्होंने मसौदा मतदाता सूची में अपने ईपीआईसी नंबर को ऑनलाइन ढूंढने की कोशिश की थी, जिसका परिणाम ''कोई रिकॉर्ड नहीं मिला'' आया।

ममता बनर्जी की सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर ''राज्य पुलिस की मौजूदगी में'' हुए हमले के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बृहस्पतिवार को आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यह घटना राज्य में उनकी सरकार में कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने को दर्शाती है। नड्डा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''अराजकता और राजनीतिक हिंसा की इस संस्कृति को बढ़ावा देने'' के लिए ममता बनर्जी को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराधों को लेकर निकाली गई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की रैली पर कुछ लोगों ने बुधवार को कथित रूप से पथराव किया और काले झंडे दिखाए। भाजपा ने इस घटना के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया है। नड्डा ने कहा, ''मैं पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कूचबिहार में तृणमूल के गुंडों द्वारा किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि यह हमला राज्य पुलिस की मौजूदगी में हुआ जो ममता बनर्जी की सरकार में कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने की बात को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि यह केवल एक निर्वाचित प्रतिनिधि पर हमला नहीं बल्कि लोकतंत्र पर भी हमला है।

नड्डा ने कहा कि उन्होंने अधिकारी से बात की और स्थिति का जायजा लिया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ''अगर पश्चिम बंगाल में विपक्ष का नेता सुरक्षित नहीं है तो आम लोगों की दुर्दशा की केवल कल्पना ही की जा सकती है।''

चार अधिकारियों को निलंबित करने के निर्वाचन आयोग के निर्देश पर ममता ने सवाल उठाया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग द्वारा दो राज्य सिविल सेवकों सहित चार अधिकारियों को निलंबित करने के आदेश पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी सरकार अपने कर्मचारियों के साथ है।

मंगलवार को निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में चार अधिकारियों- दो निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) और दो सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) तथा एक डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं एक अस्थायी कर्मचारी- को निलंबित करने का आदेश दिया। इन अधिकारियों पर दक्षिण 24 परगना और पूर्व मेदिनीपुर जिलों के क्रमश: बरुईपुर पूर्व और मोयना विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची तैयार करते समय अनियमितताएं बरतने का आरोप है।

अभिषेक बनर्जी ने अमेरिकी शुल्क को लेकर केंद्र की आलोचना की, इसे 'कूटनीतिक विफलता' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र पर बृहस्पतिवार को तीखा हमला करते हुए इसे ''कूटनीतिक विफलता'' करार दिया तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार पर ''अपनी त्रुटिपूर्ण विदेशी नीति के जरिए'' अर्थव्यवस्था को खतरे में डालने का आरोप लगाया।

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र को यह जवाब देना चाहिए कि इतना अधिक शुल्क क्यों लगाया गया।

बनर्जी ने इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन की बैठक में भाग लेने के लिए नई दिल्ली रवाना होने से पहले कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, ''सवाल उन लोगों से पूछे जाने चाहिए जो (अमेरिकी राष्ट्रपति) डोनाल्ड ट्रंप के साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं।'' उन्होंने कहा, ''ट्रंप के लिए प्रचार करने वालों से इस बारे में सवाल किए जाने चाहिए। यह शुल्क भारत की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित करेगा। यह एक कूटनीतिक विफलता है।''

लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के नवनियुक्त नेता बनर्जी ने कहा कि कभी अपने ''56 इंच के सीने'' का बखान करने वाली भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को अब दूसरे देश ''लाल आंखें'' दिखा रहे हैं।

बनर्जी ने कहा, ''मैं एक प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के तौर पर पांच देशों में गया था लेकिन कुल मिलाकर 11 देशों ने भी पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा नहीं की। कुछ लोगों ने ट्रंप के लिए चुनाव प्रचार किया था और उन्होंने (ट्रंप ने) भी कोविड-19 के प्रकोप से दो महीने पहले भारत आकर उन लोगों के लिए प्रचार किया था।

'पीडीए' पाठशाला संचालित करने पर सपा नेताओं के खिलाफ मुकदमा

वाराणसी (उप्र)/भाषा। वाराणसी के लालपुर पाण्डेयपुर थाने में अनधिकृत रूप से 'पीडीए पाठशाला' संचालित करने के आरोप में समाजवादी पार्टी (सपा) के सहयोगी संगठन समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि खंड शिक्षा अधिकारी अखिलेश कुमार की तहरीर पर समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष राहुल सोनकर और महानगर अध्यक्ष आयुष यादव के खिलाफ बुधवार को मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि खंड शिक्षा अधिकारी ने अपनी तहरीर में कहा है कि समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष राहुल सोनकर और महानगर अध्यक्ष आयुष यादव ने गत चार अगस्त को हुकुलगंज मुहल्ले में 'पीडीए पाठशाला' का आयोजन किया था और ऐसा करके दोनों ने बच्चों का राजनीतिक दुरुपयोग किया है।

साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से विभाग की छवि धूमिल की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 50 से कम छात्र-छात्राओं वाले 10 हजार से ज्यादा प्राथमिक और उच्चतर प्राथमिक स्कूलों का पास के ही स्कूलों में विलय करने की कवायद शुरू की है।

गंगा यमुना और शारदा समेत कई प्रमुख नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित जल भरण क्षेत्र में व्यापक वर्षा होने से गंगा, यमुना और शारदा समेत राज्य की अनेक प्रमुख नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है। उफनती नदियों की बाढ़ से राज्य के अनेक जिलों के सैकड़ों गांवों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बलिया में बाढ़ के पानी में डूबने से एक लड़के की मौत हो गई। मौसम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, प्रदेश में मानसून सक्रिय है और अगले एक सप्ताह के दौरान पूरे राज्य में बारिश का सिलसिला कमोबेश जारी रह सकता है।

केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को गंगा नदी कछला ब्रिज (बदायूं), गाजीपुर, छतनाग और फाफामऊ (प्रयागराज), बलिया, मिर्जापुर और वाराणसी में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इसी तरह, घाघरा नदी अयोध्या और एल्गिन ब्रिज (बाराबंकी) में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। रिपोर्ट के अनुसार, यमुना नदी नैनी (प्रयागराज) में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। वहीं, भिनगा (श्रावस्ती) और राप्ती बैराज (श्रावस्ती) में राप्ती नदी का जलस्तर अब भी लाल निशान से ऊपर बना हुआ है।

शारदा नहर पलियाकलां (लखीमपुर खीरी) में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है मगर अब इसका जलस्तर कम हो रहा है।

नदियों की बाढ़ से राज्य के अनेक जिलों में जनजीवन पर बुरा असर पड़ा है। प्रयागराज से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कई दिनों से जारी भारी बारिश के चलते खतरे के निशान से ऊपर पहुंचने के बाद गंगा और यमुना का जलस्तर बुधवार से कम शुरू हो गया है मगर सदर तहसील के 107 वार्ड और मुहल्ले अब भी बाढ़ के पानी से घिरे हैं।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) विनीता सिंह ने बताया कि नदियों का जलस्तर नीचे आने से लोग राहत महसूस कर रहे हैं, मगर सदर तहसील के अंतर्गत आने वाले 107 वार्ड एवं मोहल्ले बाढ़ से प्रभावित हैं जिनमें राजापुर, बेली कछार, चांदपुर सलोरी, गोविंदपुर, छोटा बघाड़ा और बड़ा बघाड़ा प्रमुख रूप से प्रभावित हैं। बलिया जिले में गंगा और सरयू नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण बाढ़ प्रभावित गांवों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बलिया से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक, हल्दी थाना क्षेत्र के पश्चिम टोला हल्दी गांव में आज बाढ़ के पानी में नहाने के दौरान 11 वर्षीय बालक युवराज गुप्ता की डूबने से मौत हो गई। उसके शव को गोताखोरों व पुलिस की सहायता से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

लवलीना ने बीएफआई अधिकारी पर अपमानजनक व्यवहार का आरोप लगाया

नई दिल्ली/भाषा। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन द्वारा राष्ट्रीय महासंघ के कार्यकारी निदेशक कर्नल अरुण मलिक के खिलाफ लगाए गए 'अपमानजनक और लैंगिक भेदभावपूर्ण व्यवहार' के आरोपों की जांच की जा रही है और जल्द ही एक रिपोर्ट सौंपी जाएगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। खेल मंत्री मनसुख मांडविया, साइ के महानिदेशक, टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना) विभाग, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) को संबोधित एक औपचारिक शिकायत में लवलीना ने आरोप लगाया कि मलिक ने आठ जुलाई को एक जूम मीटिंग के दौरान उनका अपमान किया और उनकी उपलब्धियों को कमतर आंका। बैठक में साइ और टॉप्स के अधिकारी भी शामिल थे। लवलीना ने इस दौरान अनुरोध किया कि उनके निजी कोच को राष्ट्रीय शिविर में आने की अनुमति दी जाए जो बीएफआई की नीति के विरुद्ध है। निजी कोच भी ऑनलाइन बैठक में मौजूद थे। वह यह भी चाहती थीं कि कोच को उनके साथ यूरोप में ट्रेनिंग के लिए जाने की अनुमति भी दी जाए।

जम्मू-कश्मीर: कुलगाम में आतंकवाद के खिलाफ अभियान सातवें दिन भी रहा जारी, तीन सुरक्षाकर्मी घायल

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवाद रोधी अभियान में बृहस्पतिवार को सुरक्षा बल के तीन जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

आतंकवाद के खिलाफ अभियान सातवें दिन जारी है जो इस वर्ष का अब तक का सबसे लंबा अभियान है। सेना के उत्तरी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने दक्षिण कश्मीर में सुरक्षा स्थिति और आतंकवाद-रोधी तंत्र की समीक्षा की और साथ ही उन्हें जारी अभियान की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा, ''अभियान सातवें दिन भी जारी है।'' उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह हुई गोलीबारी में तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए जिससे घायल सुरक्षाकर्मियों की कुल संख्या अब सात हो गई है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल दुर्गम जंगली इलाकों में आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर समेत सभी साधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। दक्षिण कश्मीर जिले के अखल में वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने वहां घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था। अधिकारियों ने बताया कि पिछले शुक्रवार को दोनों पक्षों के बीच प्रारंभिक गोलीबारी के बाद रात में अभियान रोक दिया गया था, लेकिन घेराबंदी को मजबूत किया गया तथा क्षेत्र में अतिरिक्त बल भेजा गया।

मैं गंभीर को अच्छे से जानता हूं, उसने जो हासिल किया उससे खुश हूं : गैरी कर्स्टन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के विश्व कप विजेता पूर्व कोच गैरी कर्स्टन ने कहा कि जिस तरह से कोच गौतम गंभीर की टीम ने इंग्लैंड के कठिन दौरे पर टेस्ट शृंखला 2 . 2 से ड्रॉ कराई, उससे वह बहुत खुश हैं । कर्स्टन ने यहां कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से कहा ,'' मैं बहुत खुश हूं कि भारतीय क्रिकेट टीम ने शृंखला ड्रॉ कराई और यह भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा है । मैं गौतम गंभीर के लिए भी बहुत खुश हूं । मैं उसे अच्छे से जानता हूं और उसने इस टीम के साथ जो हासिल किया है, मैं उससे खुश हूं ।''

उन्होंने कहा ,'' भारतीय टीम इस समय अच्छा खेल रही है । हम सभी उसकी सफलता से खुश हैं । भारत के पास अच्छे युवा खिलाड़ी हैं और उन्हें जिस तरह से सहयोग दिया जा रहा है, वह अच्छी बात है ।'' भारत ने कर्स्टन के कोच रहते 2011 विश्व कप जीता था और टेस्ट प्रारूप में शीर्ष स्थान पर भी पहुंची थी । विश्व कप विजेता टीम में गंभीर और वीरेंद्र सहवाग सलामी जोड़ीदार थे । गंभीर ने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में 97 रन बनाये थे ।

भारत के कोच के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए कर्स्टन ने कहा कि उनके कार्यकाल की मुख्य बातों में ईशांत शर्मा को नेट्स पर बल्लेबाजी का अभ्यास कराना भी था जिससे वीवीएस लक्ष्मण को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2010 में मोहाली टेस्ट जिताने में मदद मिली । उन्होंने कहा ,'' भारतीय टीम के साथ तीन साल के मेरे कार्यकाल में ईशांत शर्मा से नेट्स पर बल्लेबाजी का अभ्यास कराया जिसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में 48 गेंद खेली और वीवीएस लक्ष्मण ने वह मैच जिताया।'' जीत के लिए 216 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने आठ विकेट 124 रन पर गंवा दिए थे लेकिन लक्ष्मण (73 नाबाद) ने ईशांत (31) और फिर प्रज्ञान ओझा के साथ मिलकर भारत को एक विकेट से जीत दिलाई ।

सुविचार

छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता, टूटे हुए दिल से कोई खड़ा नहीं होता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वच्छ ईंधन की क्रांति

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी द्वारा राज्यसभा में दी गई यह जानकारी कि 'भारत में कुल सक्रिय घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं की संख्या 33.05 करोड़ हो गई है', से पता चलता है कि देश ने स्वच्छ ईंधन के क्षेत्र में बहुत प्रगति की है। एक अप्रैल, 2014 तक यह संख्या सिर्फ 14.51 करोड़ थी! उपभोक्ताओं की संख्या में यह उछाल सराहनीय है, जिसका श्रेय केंद्र सरकार को मिलना चाहिए। यह उपलब्धि इसलिए भी बहुत खास है, क्योंकि 33.05 करोड़ में से 10.33 करोड़ लाभार्थी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के हैं। गांव-ढाणियों तक स्वच्छ ईंधन की पहुंच ने लोगों के जीवन को बदला है। नब्बे के दशक तक गांवों में एक-दो घरों में ही गैस सिलेंडर होते थे। परंपरागत ईंधन, जैसे- लकड़ी, कोयला और उपलों का इस्तेमाल ज्यादा होता था। इनसे पैदा होने वाले धुएं से महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं होती थीं। यह धुआं पर्यावरण के लिए नुकसानदेह होता था। ईंधन की आपूर्ति के लिए जंगल काटे जाते थे। रसोई गैस ने इन सभी समस्याओं का समाधान कर दिया है। घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए वितरण और सब्सिडी हस्तांतरण प्रक्रिया को डिजिटल बनाने से क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। लोगों ने वह ज़माना भी देखा है जब गैस सिलेंडर खत्म होते ही नया सिलेंडर लेने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ता था। अत्यधिक साधन संपन्न और रसूख वाले परिवारों के लिए कोई दिक्कत नहीं थी, लेकिन आम आदमी को खाली सिलेंडर लेकर घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता था। उस दौरान तेज धूप, पीछे से धक्का लगने और पर्याप्त सिलेंडर न होने से झगड़े तक हो जाते थे। जो बच्चे आज ऑनलाइन सिलेंडर बुकिंग और होम डिलिवरी की सुविधा देखते हुए बड़े हो रहे हैं, उन्हें यह जानकर आश्चर्य होगा कि पहले व्यवस्था में कितनी जटिलताएं थीं!

भारत में डिजिटल पेमेंट ने स्वच्छ ईंधन तक लोगों की पहुंच बहुत आसान कर दी है। क्या दो दशक पहले शहरों या गांवों में कोई कल्पना कर सकता था कि सिलेंडर बुक करने की प्रक्रिया इतनी आसान हो जाएगी? उस समय खुले पैसों को लेकर बहुत समस्या होती थी। कई बार तो ऐसा होता था कि ग्राहक का नंबर आ गया, लेकिन खुले पैसे न होने के कारण उसे दूसरी दुकानों के चक्कर लगाने पड़ते थे। अब डिजिटल पेमेंट होने के कारण यह समस्या भी दूर हो गई। धीरे-धीरे ग्रामीण क्षेत्रों में लोग रसोई गैस को प्राथमिकता देने लगे थे, लेकिन सिलेंडर लेने के लिए शहर जाने में उनका आधा दिन बीत जाता था। केंद्र सरकार ने इस समस्या की ओर ध्यान दिया और ग्रामीण क्षेत्रों में कई एजेंसियां स्थापित कीं। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि एक अप्रैल, 2016 से 30 जून, 2025 के बीच देशभर में 7,997 नई एलपीजी एजेंसियां खोली गईं, जिनमें से 7,403 एजेंसियां ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत हैं। इसी तरह, जुलाई 2025 तक देशभर में कुल एलपीजी वितरकों की संख्या 25,573 हो गई है, जिनमें से 17,646 ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे हैं। इससे ग्रामीण परिवार सशक्त हो रहे हैं। गांवों में बरसात के मौसम में महिलाओं को सूखा ईंधन लाने में बहुत संघर्ष करना पड़ता था। हर जगह लकड़ियों की उपलब्धता नहीं होती थी। रेगिस्तानी इलाकों में, जहां पेड़ पहले ही कम हैं, वहां ईंधन के लिए उनकी कटाई पर्यावरण पर बड़ी चोट करती थी। अब राजस्थान में कई-कई बीघा खेत ऐसे देखने को मिल जाएंगे, जहां पहले हर साल पेड़ काटकर लकड़ियां इकट्ठी की जाती थीं, लेकिन अब लकड़ियों की मांग ही नहीं है। यह घरेलू एलपीजी की आसान उपलब्धता के कारण संभव हुआ है। अब केंद्र सरकार को एक कदम और आगे बढ़ाते हुए, हर रसोईघर तक सोलर चूल्हा पहुंचाना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

भरतपुर से कांवड़ लेने गए श्रद्धालुओं की मथुरा-बरेली हाईवे पर सड़क दुर्घटना में दिवंगत होने का समाचार हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने परम धाम में स्थान प्रदान करें तथा इस दुःखद घड़ी में शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना।

-दीया कुमारी

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक वाहन के गहरे गड्ढे में गिरने की घटना अत्यंत दुःखद है। इस दुर्घटना में तीन जवानों के बलिदान और कई जवानों के घायल होने का समाचार पीड़ादायक है।

-वसुंधरा राजे

आध्यात्मिक चेतना से ओतप्रोत राष्ट्रीय संत श्री पुलक सागर जी महाराज के प्रवचन महोत्सव में उपस्थित होकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस चातुर्मासिक ज्ञानोत्सव में प्रतिदिन राष्ट्र, चरित्र और आचारसंहिता पर आधारित प्रेरणादायी प्रवचन जनमानस को जाग्रत कर रहे हैं।

-मदन दिलावर

प्रेरक प्रसंग

जीत के ऊपर जीत

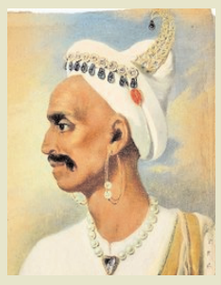

पेशवा के राजा नाना फडणवीस का चारित्रिक शील बहुत ऊंचे दर्जे का था। जब खरड़ा की लड़ाई में नाना फडणवीस से हारकर निजाम गढ़ी में छिप गया था और उसकी बेगमें महल से बाहर रह गई थीं। मराठों ने सारी बेगमों को बंदी बनाकर उन्हें नाना फडणवीस के सामने पेश किया। नाना फौरन अपने सिपाहियों को डांटते हुए बोले, 'हमारी लड़ाई निजाम के साथ है, न कि उनकी बीवियों से। इन देवियों को अभी निजाम के पास उसके महल में वापस पहुंचा दो!' नाना फडणवीस के इस चरित्र बल के सामने शर्मिंदा सिपाही तुरंत उन बंदी बनाई गईं बेगमों को वापस महल में छोड़ आये। बेगमों ने नाना फडणवीस के इस चारित्रिक शील की प्रशंसा करते कहा कि नाना की यह जीत के ऊपर एक और जीत है।

सामयिक

धराली आपदा : विकास के नाम पर प्रकृति से खिलवाड़ का नतीजा

हर्षवर्धन पान्डे

धराली उत्तरकाशी ज़िले का एक बेहद खूबसूरत क़स्बा है जो गंगोत्री की ओर बढ़ते हुए चारधामों में से एक हर्षिल घाटी का अहम हिस्सा भी है।यहाँ से गंगोत्री तकरीबन 20 किलोमीटर दूर है। हिमालयी क्षेत्रों में बसे छोटे-छोटे धराली जैसे गाँव कभी अपनी नैसर्गिक प्राकृतिक सुंदरता और शांति के लिए जाने जाते थे लेकिन हाल के वर्षों में सरकारों की अनियंत्रित विकास की अंधी दौड़ ने इन सरीखे कई क्षेत्रों को आपदा के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है। देवभूमि उत्तराखंड के कई गाँवों में आज प्रकृति के साथ गंभीर छेड़छाड़ के परिणामस्वरूप यहाँ पर आपदाएँ बार-बार दस्तक दे रही हैं। प्राकृतिक आपदा का सीधा सम्बन्ध प्रकृति की छेड़छाड़ से जुड़ा है और प्रकृति के साथ खिलवाड़ जिस पैमाने पर होता रहेगा उसका ताण्डव हिमालय पर उसी स्तर पर दिखेगा। धराली में खीर गंगा में यह पहली बार नहीं हुआ कि उसका जलस्तर बढ़ने के कारण आसपास के क्षेत्र को नुकसान हुआ है। इससे पूर्व की आपदाओं में वहां पर जानमाल का नुकसान नहीं हुआ लेकिन उसके बाद भी वहां पर ना ही स्थानीय लोग चेते और ना ही शासन प्रशासन की ओर से वहां पर सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम किए गए। वर्ष 1948 में धराली से कुछ किलोमीटर नीचे कनोडिया गाड़ ने भी अपना विकराल रूप दिखाया था। उस समय डबराणी में गंगा का प्रभाव तक रुक गया था जिससे फिर भारी तबाही हुई। इसी तरह 1978 में धराली से नीचे उत्तरकाशी की तरफ़ आते हुए 35 किलोमीटर दूर डबराणी में एक बाँध टूट गया था जिससे भागीरथी में बाढ़ आ गई थी और कई गाँव बह गए। 1835 में भी खीर गंगा में सबसे भीषण बाढ़ आई थी। तब नदी ने सारे धराली क़स्बे को पाट दिया था। बाढ़ से यहाँ भारी मात्रा में मलबा जमा हो गया था। बीते कई बरस में भी खीर गंगा में पानी का तेज़ बहाव आने, बादल फटने, भूस्खलन की घटनाएँ हुई की अनेक घटनाएँ हुई हैं लेकिन इसमें कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। 2017-18 में खीर गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण वहां पर होटल दुकानों और कई घरों में मलबा घुस गया था। उस समय कुछ नुकसान नहीं हुआ हालाँकि 2023 में खीर गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण वहां पर कई दिनों तक गंगोत्री हाईवे भी बंद रहा था साथ ही दुकानों और होटल को भी नुकसान हुआ था।

एक दौर था जब हिमालय के ऊँचाई वाले इन इलाक़ों में काफी बर्फ़ गिरती थी। तब यहाँ के ग्लेशियर में पानी का जमाव होता था लेकिन अब बर्फ़ कम गिरती है और बारिश भी कम होती है और ग्लेशियर लगातार सिकुड़ते जा रहे हैं। इसकी वजह है जलवायु परिवर्तन और इसका असर पूरे पहाड़ी इलाके के हर जिले में महसूस किया जा सकता है। ग्लोबल वार्मिंग के साइड इफेक्ट अब हिमालय से लगे इलाकों में भी महसूस किये जा सकते हैं। ग्लेशियर लगातार पिघल रहे हैं। अनियोजित विकास के कारण आज पर्वतीय इलाकों में संकट के बादल मंडरा रहे है। इन संवेदनशील इलाकों में प्राकृतिक घटनाओं की आशंका पहले भी जताई जा चुकी है पर इसे लेकर चौकन्ना न रहने की गलती जब तक होती रहेगी हादसे होते रहेंगे। प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए बेहतर प्रबंधन को बढ़ाने के साथ-साथ प्रकृति के इशारों को समझना भी बहुत जरूरी है। वह चेतावनियां सच साबित हो रही हैं जो कई दशकों से पर्यावरण वैज्ञानिक देते आ रहे थे कि धरती का लगातार बढ़ रहा तापमान शांत पड़े ग्लेशियरों को परेशान कर रहा है। ग्लेशियरों का पिघलना या टूटना मानवता व पूरे वातावरण के लिए खतरनाक है। दुर्भाग्य है कि प्राकृतिक संसाधनों की बड़ी लूट के कारण आज उत्तराखंड कंक्रीट के जंगल में तब्दील होता जा रहा है। अगर अभी भी इस हादसे से हमने सबक नहीं लिया तो किसी दिन तबाही बड़े पैमाने पर होगी।

धराली में हाल ही में आई आपदा ने स्थानीय समुदाय और पर्यावरण को गहरा नुकसान पहुँचाया है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के किनारे बसे इस क्षेत्र में अनियंत्रित मानवीय हस्तक्षेप ने प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ दिया है। भारी मशीनरी के उपयोग, जंगलों की कटाई और अनियोजित सड़क निर्माण ने भूस्खलन और मिट्टी के कटाव को बढ़ावा दिया है जिसके परिणामस्वरूप यह आपदा सामने आई। धराली और आसपास के क्षेत्रों में सड़क निर्माण, बाँध परियोजनाएँ और होम स्टे पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होटल निर्माण जैसे कार्य बिना पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन के किए गए जिसका परिणाम अब जमीन पर दिखाई देने लगे हैं । पहाड़ों की संवेदनशील भूगर्भीय संरचना को नजरअंदाज करते हुए यहाँ पर भारी मशीनरी का उपयोग किया गया जिससे भूस्खलन का खतरा हाल के कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। विकास की बड़ी परियोजनाओं के नाम पर पूरे उत्तराखंड में बड़े पैमाने पर जंगलों को काटा जा रहा है जिससे मिट्टी की स्थिरता कम हुई है और आपदा की घटनाएँ भी तेजी से बढ़ी हैं। धराली जैसे क्षेत्र आज जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अधिक असुरक्षित हो गए हैं। धराली की इस बार की आपदा में और आसपास के क्षेत्रों में कई लोगों ने अपनी जान गँवाई है और कई परिवार बेघर हो गए हैं । स्थानीय लोगों की आजीविका जो मुख्य रूप से कृषि और पर्यटन पर निर्भर थी इस बार की आपदा ने बुरी तरह प्रभावित कर डाली है। धराली का बाजार जो पर्यटन की अर्थव्यवस्था का प्रमुख हिस्सा था, बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पहाड़ी इलाकों में नदियों और नालों के किनारे फ्लड प्लेन जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में किसी भी तरह के अतिक्रमण पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगना चाहिए, क्योंकि ऐसे क्षेत्र भूस्खलन जैसी घटनाओं के लिए अत्यंत असुरक्षित होते हैं। धराली आपदा हमें यह सिखाती है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना कितना आवश्यक है।

राज्य गठन के बाद की सरकारों ने अपने करीबियों को न केवल नदियों में खनन के पट्टे दिये हैं बल्कि ठेकेदारों को भी पहाड़ों में निर्माण कार्य में मुख्य मोहरे के तौर पर इस्तेमाल किया है। पर्यटन के सैर सपाटे के बीच पहाड़ में ट्रैवल ऐजेन्टों की सुविधा के लिए जगह- जगह पहाड़ काटकर मानकों को ताक में रखते हुए सड़कें काटी हैं। एक तरह पहाड़ में आज जहां बेतरतीब ढंग से गाड़ियां दौड़ रही वहीं ऐसे इलाकों में जहां जल प्रचुर मात्रा में है वहां बांध बनाने और सुरंग निकालने का खेल शुरू हुआ है। अलग राज्य का गठन पहाड़ के पिछड़ेपन के कारण हुआ था लेकिन आज हालत यह है चट्टाने दरकने से गांव के गांव खाली हो रहे है। अब गाँव में बुजुर्गों की पीड़ी ही दिख रही है। हाइड्रो परियोजनाओं के नाम पर पहाड़ की जमीनों को खुर्द -बुर्द किया जा रहा है। टिहरी इसका नायाब नमूना है जहां विकास की चमचमाहट दिखाई गई लेकिन टिहरी के डूबने की कथा स्थिति की भयावहता को उजागर करती है। प्राकृतिक सम्पदा की लूट में उत्तराखण्ड की कोई सरकार अछूती नहीं है। विकास के नाम पर सरकार की नीयत साफ नहीं है। हर किसी का उद्देश्य इस दौर में मुनाफा कमाना और अपनी झोली भरना हो चला है और कारपरेट के आसरे राज्य में निवेश सम्मेलनों के माध्यम सेफलक-फावड़े बिछाए जा रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश के भीतर 200 से अधिक हाइड्रो प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं और सैकड़ों योजनाएं प्रस्तावित है जिनमें से गढ़वाल के मुख्य इलाकों में निर्माणधीन है जो भागीरथी अलकनंदा और मंदाकनी में बनाई जानी हैं जहां पहाड़ों को चीरकर काटकर विस्फोट कर सुरंग बनाई जाएंगी जो भविष्य के लिए कतई सुखद संकेत नहीं है।

पर्यटन इस राज्य की सबसे बड़ी रीढ़ है जो राजस्व प्राप्ति का अहम साधन है। हमें पर्यटकों को बुनियादी सुविधाऐं देनी चाहिए। पर्यटकों को भी इस बात पर विचार करना होगा इस तरह के खूबसूरत स्थलों पर हर दिन भारी भीड़ नहीं पहुंचे। बड़ी आबादी का बोझ पहाड़ सहने की स्थिति में नहीं हैं। चार धाम की यात्रा में भारी भीड़ और अव्यवस्थाएं हर साल देखने को मिलती है। उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों की संख्या भी पिछले 25 सालों में तेजी से बढ़ी है। राज्य पर्यटन विभाग के मुताबिक पिछले साल 2001 में 1 करोड़ पर्यटक राज्य में पहुंचे वहीं अब यह संख्या 5 करोड़ से अधिक पहुँच चुकी है। जाहिर है कि ऐसे में किसी नई कार्ययोजना की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। पिछले कुछ समय से विकास के नाम पर यहाँ नवनिर्माण का जो खेला और वाहनों का रेला लगा है वह समझ से परे है।

मिसाल एक तौर पर बदरीनाथ में मास्टर प्लान के नाम पर अलकनंदा के दोनों तरफ घाट तोड़ दिए गए हैं और आने वाले दिनों में अलकनंदा के जलस्तर को किसी दिन बढ़ाएंगे और बड़ी आपदा की तरफ हम बढ़ेंगे।जलवायु परिवर्तन, अनियोजित विकास, पारिस्थितिक असंतुलन और प्रशासनिक अक्षमता ने इस देवभूमि राज्य को संकटग्रस्त क्षेत्र में बदल दिया है जिसकी कीमत विनाश के नाम पर एक दिन यहाँ के लोगों को ही चुकानी पड़ेगी।

हमें पहाड़ी यात्रा मार्ग पर आपदा रोकने के लिए और उसके मुकाबले के लिए एक बेहतर तंत्र अब विकसित करना होगा। बेशक विकास जरूरी है लेकिन पर्यावरण के साथ विकास में भी एक संतुलन बनाकर लकीर खींचने की जरूरत है। बेहतर होगा पहाड़ी इलाकों में प्रकृति के अन्धाधन्ध दोहन पर रोक लगने के साथ ही यहां के अवैध कब्जों और निर्माण पर भी ब्रेक लगे। बड़े सुरंग आधारित बांधों के बजाय छोटे बांधों पर जोर दिया जा सकता है। बिल्डरों और राजनेताओं का नेक्सस टूटना चाहिए। जो भी हो उत्तराखण्ड की धराली की आपदा ने इस बार यह बड़ा सबक दिया है कि नियोजित विकास के साथ पारिस्थितिकीय संतुलन बनाने की जरूरत है। अगर अब भी हम नहीं चेते तो भविष्य में धराली जैसे अनेक हादसे उत्तराखंड में होते रहेंगे।

नजरिया

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक?

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र।

विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं।

विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, संसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है।चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारूरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए।

संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बर्बादी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है।' लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी। विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुप राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच लोक का मंदिर है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

भारत 2050 तक 25,000 अरब डॉलर की महाशक्ति बन जाएगा : अदाणी

लखनऊ/भाषा। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने युवाओं से पारंपरिक सोच से आगे बढ़ने को कहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य कभी भी उनका नहीं होगा जो सुरक्षित खेलते हैं, बल्कि उनका होगा जो संभावनाओं को अधिकतम करते हैं।

अरबपति उद्योगपति ने भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) लखनऊ में बृहस्पतिवार को छात्रों को संबोधित करते इस बात पर भी ज़ोर दिया कि 2050 तक भारत 25,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था की 'महाशक्ति' बन जाएगा, जिसकी ओर 'वैश्विक गुरुत्वाकर्षण केंद्र' होगा।

कृत्रिम मेधा, एल्गोरिथम आधारित निर्णय लेने और वैश्विक अनिश्चितता के युग में शिक्षा की भूमिका पर बोलते हुए अदाणी ने कहा, डीसी मॉडल, पोर्टर के पांच बल और एसडब्ल्यूओटी विश्लेषण जैसे ढांचों का अध्ययन करने का व्यवसाय की दुनिया में अपना स्थान है, लेकिन ये धारणाओं और पूर्वज्ञान पर आधारित होते हैं। ये आपको जोखिम को कम करना

सिखाते हैं, लेकिन भविष्य को अधिकतम नहीं बनाना सिखाते, क्योंकि भविष्य कभी भी उनका नहीं होगा जो सुरक्षित खेलते हैं। यह उनका है जो संभावनाओं को अधिकतम करते हैं।'' उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि भविष्य को आकार देने के लिए कल्पनाशीलता, जोखिम उठाने और दृढ़ विश्वास की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, ''संभावनाओं को अधिकतम करने का मतलब है बाज़ार के तैयार होने का संकेत देने से पहले ही क्षेत्र निर्माण में कदम रखना।''

अदाणी समूह की मुंद्रा, धारावी और ऑस्ट्रेलिया जैसी कुछ चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं का ज़िक्र करते हुए, उन्होंने आगे कहा, ''ये सिर्फ़ व्यावसायिक कार्य नहीं हैं, बल्कि कल्पनाशीलता के कार्य हैं, दुनिया को जैसी है वैसी स्वीकार न करने और उसे जैसी हो सकती है वैसी देखने का साहस।'' उन्होंने छात्रों से पाठ्य पुस्तकों से आगे सोचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा ''व्यावसायिक ढांचा आपको पहले से नापा हुआ, पहले से चिह्नित और सुरक्षित कैनवास प्रदान करते हैं। लेकिन भारत को खाली जगहों को भरने वाले और चित्रकारों की ज़रूरत नहीं है। उसे ऐसे लोगों की ज़रूरत है जो कैनवास पर ही सवाल उठा सकें, जो ऐसे रंगों से चित्रकारी कर सकें जिनकी अभी तक कल्पना भी नहीं की गई है। और यही, अभी, आपका क्षण है क्योंकि भारत वह कैनवास है जो असाधारण युग में खड़ा है।''

अदाणी ने कहा कि देश का परिवर्तन 'चार अजेय शक्तियों – जनसांख्यिकी, मांग, डिजिटल बुनियादी ढांचा और घरेलू पूंजी द्वारा संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा, ''पहली है जनसांख्यिकी – हम इस धरती पर सबसे युवा, सबसे महत्वाकांक्षी कामकाजी आबादी हैं।

भारतीय दवा विनिर्माताओं पर शुल्क लगाने से अमेरिकी उपभोक्ताओं पर बोझ पड़ेगा: फार्मेक्सिल

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय दवा निर्यात को बढ़े हुए शुल्क से अस्थायी राहत देने का अमेरिका का फैसला अमेरिकी आबादी के लिए सस्ती दवाइयां सुनिश्चित करने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। औषधि निर्यात संवर्धन परिषद ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। अमेरिका ने छह अगस्त को सभी भारतीय आयात पर मौजूदा 25 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। ऐसे में 27 अगस्त से कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो जाएगा।

भारत, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली 40 प्रतिशत से ज्यादा जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। इसमें पुरानी बीमारियों, कैंसर और संक्रामक रोगों के उपचार की दवाइयां शामिल हैं।

फार्मेक्सिल के चेयरमैन नमित जोशी ने एक बयान में कहा, ''भारतीय दवा कंपनियों पर शुल्क के प्रतिकूल नतीजे होंगे और अंत में अमेरिकी उपभोक्ताओं पर बोझ डालेंगे। भारतीय कंपनियां कम लागत वाली जेनेरिक दवाइयां बनाती हैं, उच्च मार्जिन वाले उत्पाद नहीं। इसलिए किसी भी शुल्क का भार सीधे अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ेगा।'' उन्होंने कहा कि उन्हें भारत की दवा क्षमता हासिल करने में कम से कम तीन से पांच साल लगेंगे, और इस स्तर की क्षमता, लागत दक्षता और प्रतिभा हासिल करने में कई चुनौतियां होंगी। जोशी ने कहा कि 700 से ज्यादा अमेरिकी एफडीए की मंजूरी प्राप्त संयंत्रों के साथ भारत अपने 55 प्रतिशत दवा उत्पादों का निर्यात अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे कड़े विनियमित बाजारों को करता है।

शांति

केरल के राजस्व मंत्री के. राजन अखिल भारतीय शांति एवं एकजुटता संगठन (एआईपीएसओ) और होली एंजेल्स कॉन्वेंट एचएसएस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित हिरोशिमा-नागासाकी दिवस समारोह के दौरान स्कूल सभागार में छात्रों से शांति प्रतीक प्राप्त करते हुए।

मुकेश अंबानी को पांचवें साल कोई वेतन नहीं, उनके प्रवर्तक समूह को 3,600 करोड़ रु. का लाभांश मिला

नई दिल्ली/भाषा। एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी ने अपने समूह रिलायंस इंडस्ट्रीज से लगातार पांचवें साल कोई वेतन नहीं लिया और लाभांश उनकी आय का मुख्य स्रोत बना हुआ है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का कारोबार तेल से लेकर दूरसंचार और खुदरा क्षेत्र तक फैला हुआ है। अंबानी (68) ने वित्त वर्ष 2008-09 से 2019-20 तक अपने वार्षिक पारिश्रमिक को 15 करोड़ रुपए तक सीमित रखा था। उन्होंने कोविड-19 महामारी के बाद वित्त वर्ष 2020-21 से तब तक अपना वेतन छोड़ने का फैसला चुना, जब तक कि कंपनी और उसके सभी कारोबार पूरी तरह से अपनी आय क्षमता पर वापस नहीं आ जाते। कंपनी की ताजा वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 2024-25 में उन्हें वेतन, भत्ते और सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में कोई राशि नहीं मिली। दुनिया के 18वें सबसे अमीर व्यक्ति, जिनकी कुल संपत्ति लगभग 100 अरब अमेरिकी डॉलर है, के लिए लाभांश आय ही आमदनी का स्रोत है। रिलायंस में उनके सीधे 1.61 करोड़ शेयर हैं। कंपनी द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए घोषित 5.50 रुपए प्रति शेयर लाभांश के आधार पर उन्हें 8.85 करोड़ रुपए की लाभांश आय मिलती है। जिन प्रवर्तक समूह की कंपनियों पर अंबानी का नियंत्रण है, उनमें उनके पास 664.5 करोड़ शेयर या 50.07 प्रतिशत शेयर हैं, जो 3,655 करोड़ रुपए की लाभांश आय देते हैं। अंबानी के चचेरे भाई निखिल और हितल मेसवानी का पारिश्रमिक 2023-24 में क्रमशः 25.31 करोड़ रुपए और 25.42 करोड़ रुपए था, जो 2024-25 में थोड़ा कम होकर 25 करोड़ रुपए रह गया। कार्यकारी निदेशक पी एम एस प्रसाद का पारिश्रमिक 2024-25 में बढ़कर 19.96 करोड़ रुपए हो गया, जो इससे पिछले वर्ष 17.93 करोड़ रुपए था। अंबानी के तीन बच्चे – ईशा, आकाश और अनंत, जिन्हें अक्टूबर, 2023 में शून्य वेतन पर बोर्ड में नियुक्त किया गया था, उनमें से प्रत्येक को 'सिटिंग फीस' के रूप में छह लाख रुपए और कमीशन के रूप में 2.27 लाख रुपए मिले। अंबानी के बच्चों में सबसे छोटे अनंत को रिलायंस बोर्ड में कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है और चालू वित्त वर्ष से उन्हें 10 करोड़ रुपए से 20 करोड़ रुपए के बीच वेतन मिलेगा।

हनी सिंह और करण औजला पर महिला आयोग सख्त, भेजा नोटिस

चंडीगढ़/एजेन्सी

पंजाब राज्य महिला आयोग ने सिंगर यो यो हनी सिंह और करण औजला के गीतों को आपत्तिजनक बताते हुए नोटिस जारी किया है। आयोग ने मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा है कि 'मिलियनेयर' और 'एमएफ गभरू' जैसे गीत महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं। आयोग ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को पत्र लिखकर दोनों गायकों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की भी मांग की है। इसके साथ ही, यो यो हनी सिंह और करण औजला को आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए नोटिस जारी किया गया है। दोनों को सोमवार, 11 अगस्त को आयोग के सामने उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। आयोग का मानना है कि इन गानों के बोल महिलाओं की गरिमा को

ठेस पहुंचाते हैं और सामाजिक मूल्यों के खिलाफ हैं। महिला आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि वह इस तरह के कंटेंट को बढ़ावा नहीं दे सकता। आयोग इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा।

महिला आयोग की अध्यक्ष राज लाली गिल ने पत्र में लिखा कि हनी सिंह और करण औजला दोनों गायकों ने अपने-अपने गानों में महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया, जो महिलाओं के लिए अपमानजनक है। महिलाओं के खिलाफ इस तरह की भाषा बर्दाश्त नहीं की जाएगी; दोनों पर कार्रवाई जरूर होगी। यह पहली बार नहीं है जब हनी सिंह के गानों पर विवाद हुआ है। इससे पहले भी उनके कई गाने अपनी बोल्ड और विवादास्पद कंटेंट के लिए चर्चा में रहे हैं। हनी सिंह का इसी साल मार्च में गाना 'मैनिएक' रिलीज हुआ था, जिसे उन्होंने टी-सीरीज और भूषण कुमार के साथ मिलकर तैयार किया।

अभिनेत्री ईशा गुप्ता पर फिल्माए गाने के बोल को लियो ग्रेवाल ने लिखा और हनी सिंह ने कंपोज किया। 'मैनिएक' में एक भोजपुरी पैरा भी है, जिसे गायिका रागिनी विश्वकर्मा ने गाया है। गाने पर अश्लीलता के आरोप लगे और दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका भी दाखिल की गई। हालांकि, कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया। करण औजला भी पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री में तेजी से उभरते सितारे हैं, और उनके गाने भी अक्सर अपनी बोल्ड शैली की वजह से सुर्खियों में रहते हैं।

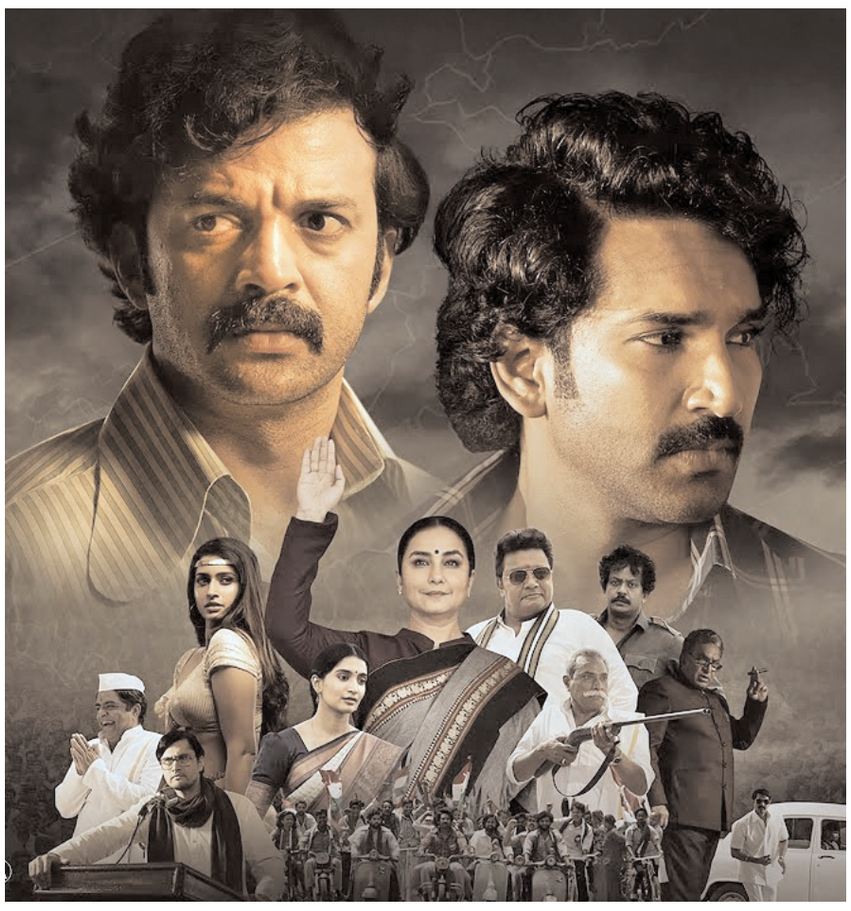

'मायासभा' में कैसा होगा दिव्या दत्ता का किरदार, एक्ट्रेस ने किया खुलासा

मुंबई/एजेन्सी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने तेलुगु सीरीज 'मायासभा: द राइज ऑफ द टाइटन्स' में अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। इसमें वह राजनीतिक नेता इरावती बोस का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि उनका किरदार चालाकी से दूसरों को अपनी बातों में फंसाने वाला और उनका फायदा उठाने वाला है। उन्होंने बताया कि उनका किरदार इरावती ताकतवर है; साथ ही, वह अपनी कमजोरियों को भी छुपाती हैं ताकि लक्ष्य को हासिल करने में उनके रास्ते में कोई बाधा न बन सके। दिव्या दत्ता ने कहा कि इरावती के चालाक और हिसाब से काम करने वाले गुण उनके लिए सिर्फ एक कमजोरी या ताकत नहीं हैं, बल्कि ये सब मिलाकर उनके जीवन की स्थिति को समझने का एक तरीका है। उन्होंने बताया कि एक अभिनेता के रूप में, उनका काम यह है कि वे अपने किरदार को निभाते वक्त इन गुणों को अलग-अलग तरीके से दिखाएं, जैसे कभी कुछ शब्दों को थोड़ा ऊपर, कभी नीचे, या कभी थोड़ा बदलकर, ताकि वह किरदार सच्चे और प्रभावी तरीके से दर्शकों तक पहुंच सके। एक्ट्रेस ने 1994 में फिल्म 'इश्क में जीना, इश्क में मरना' से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह अपने किरदारों में अलग-अलग पहलुओं को एक्सप्लोर करना पसंद करती हैं। उन्होंने कहा, जब हम किसी किरदार पर काम करते हैं, तो हम उसमें थोड़ी सी चालाकी, थोड़ी सी मस्ती, थोड़ी सी बुद्धिमानी, या कभी-कभी एक इमोशनल उतार-चढ़ाव जोड़ते हैं। यह सब मिलाकर किरदार को और भी वास्तविक और दिलचस्प बनाता है। 'मायासभा: द राइज ऑफ द टाइटन्स' एक राजनीतिक ड्रामा वेब सीरीज़ है, जिसे देवा कट्टा और किरण जय कुमार ने डायरेक्ट किया है। इसमें चैतन्य राव, आधी, रवींद्र विजय, नासर, साई कुमार और चरिता वर्मा नजर आएंगे। इसके अलावा रघु बाबू, भावना वज्झापंडल और तान्या एस रविचंद्रन जैसे कलाकार भी सीरीज का हिस्सा हैं।

यह सीरीज़ 1990 के दशक के आंध्र प्रदेश की राजनीति पर आधारित है। इसमें दो प्रमुख राजनेताओं, नारा चंद्रबाबू नायडू और वाई. एस. राजशेखर रेड्डी के बीच बदलते रिश्ते को दिखाया गया है। पहले ये दोनों दोस्त थे, लेकिन धीरे-धीरे उनका रिश्ता राजनीति के कारण दुश्मनी में बदल जाता है। यह सीरीज इस यात्रा को नाटकीय तरीके से पेश करती है। 'मायासभा: द राइज ऑफ द टाइटन्स' 7 अगस्त से सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी।

भाषा विवाद पर बोले कुमार सानू - 'काम की आजादी पर बाधा न बने यह'

मुंबई/एजेन्सी

प्लेबैक सिंगर कुमार सानू ने देश में चल रहे भाषा विवाद पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि काम के अवसरों के लिए प्रतिभा और अनुकूलन क्षमता भाषा से ज्यादा महत्वपूर्ण है। सानु ने कहा कि देश में हर व्यक्ति को कहीं भी काम करने की आजादी होनी चाहिए, भले ही उनकी भाषा अलग हो।

गायक ने भाषा विवाद पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि भाषाई मतभेदों के बावजूद, सभी को देश भर में काम करने की आजादी होनी चाहिए। किसी की सीखने की क्षमता और रुचि अलग-अलग है। मेरा मानना है कि इसकी वजह से काम में बाधा नहीं आनी चाहिए। कुमार सानू ने कहा, मैं भाषा के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। लेकिन, हर किसी को देश में कहीं भी काम करने का अधिकार है। भाषा सीखना व्यक्ति की क्षमता और रुचि पर निर्भर करता है। काम के अवसरों में बाधा नहीं बनना चाहिए। हाल ही में भाषा और क्षेत्रीय पहचान को लेकर देशभर में विवाद देखने को मिला। सिंगर सोनू निगम बेंगलुरु में अपने कॉन्सर्ट के बाद विवादों में घिर गए। सामने आए वीडियो में वह एक प्रशंसक के कन्नड़ गाना गाने के अनुरोध को अस्वीकार करते दिखे, जिसे उन्होंने 'गलत' बताया।

दरअसल, सोनू ने इस घटना की तुलना जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले से की थी, जिसके बाद उनकी आलोचना हुई। कन्नड़ भाषी समुदाय में नाराजगी फैल गई और एक कन्नड़ समर्थक संगठन ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसमें उन पर भाषाई मतभेद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया। इसके अलावा, पिछले साल दिसंबर में बंगाली गायिका ईमान चक्रवर्ती भी विवाद में आई थीं। उनके राजारहाट, पश्चिम बंगाल में हुए कॉन्सर्ट का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने एक दर्शक को बंगाली गाने पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने पर कड़ा जवाब दिया था।

हुमा कुरैशी ने भूटान में पूरा किया 'टाइगर नेस्ट ट्रेक'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने हाल ही में भूटान के सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध स्थलों में से एक, मशहूर टाइगर नेस्ट ट्रेक को पूरा किया। अभिनेत्री ने इस खूबसूरत और रोमांचक अनुभव को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। हुमा कुरैशी ने बताया कि भूटान के टाइगर नेस्ट तक का ट्रेक मुश्किल जरूर था, लेकिन बहुत शांत, और जिंदगी को बदल देने वाला अनुभव रहा। अभिनेत्री ने इस यात्रा की कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, टाइगर नेस्ट ट्रेक अब मेरी यादों का हिस्सा बन गया है; यह ट्रेक बहुत मुश्किल था लेकिन उतना ही शांत और सुकून भरा भी। उन्होंने आगे लिखा, पारो टकसांग, जिसे टाइगर्स नेस्ट भी कहा जाता है, भूटान में एक बहुत ही सुंदर और ऊंचे पहाड़ पर बना मठ (मंदिर) है। यहां तक पहुंचने का रास्ता थोड़ा मुश्किल है, लेकिन बहुत सुंदर और सुकून देने वाला अनुभव होता है। यह ट्रेक 6.4 किलोमीटर लंबा है (आने-जाने मिलाकर)। इसे पूरा करने में करीब 6 घंटे लगते हैं।

हुमा ने इससे पहले अपनी भूटान यात्रा की कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थीं, जिसमें वह पहाड़ों के खूबसूरत नजारों में पोज देती नजर आ रही थी।

क्लीप में अभिनेत्री ने शांत झरनों और भव्य पहाड़ी नजारों को भी दिखाया था। इसके अलावा, उन्होंने भूटान के एक म्यूजियम (संग्रहालय) की झलकियां भी इंस्टाग्राम पर शेयर कीं थीं। दूसरी ओर, हुमा कुरैशी की थ्रिलर फिल्म 'बयान' को आधिकारिक तौर पर प्रतिष्ठित टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2025 के लिए चुना गया है। विकास रंजन मिश्रा के निर्देशन में बनी फिल्म 'बयान' इस श्रेणी में शामिल एकमात्र भारतीय फिल्म है।

फिल्म में अनुभवी अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह और सचिन खेडेकर के साथ-साथ परितोष सैंड, अविजित दत्त, विभोर मयंक, संपा मंडल, स्वाति दास, अदिति कंचन सिंह और पैरी छाबड़ा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं।

इसकी घोषणा के बाद अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने बताया था कि यह फिल्म उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा है, क्योंकि इसमें उन्हें ऐसा किरदार निभाने का मौका मिला है जिसे वह लंबे समय से करना चाहती थीं। 'बयान' फिल्म का प्रीमियर पहली बार दुनिया के सामने टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के 'डिस्कवरी सेक्शन' में होगाये ऐसा सेक्शन है जिसमें जो क्रिस्टोफर नोलन, अल्फोंसो क्वारोन और बैरी जेनकिंस जैसे प्रतिष्ठित फिल्ममेकर्स की फिल्में दिखाई जा चुकी हैं।

चर्चा

पश्चिम बंगाल के मंत्री अरूप बिस्वास गुरुवार को कोलकाता के नंदन में बंगाली फिल्म उद्योग के अभिनेताओं, निर्देशकों, निर्माताओं और वितरकों के साथ बंगाली सिनेमा के भविष्य पर चर्चा करते हुए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शुक्रवार | 08-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

गृहस्थ आग का गोला है। वह बोले बिना नहीं रह सकता। साधु को गोचरी मिले तो संयम वृत्ति, न मिले तो तप वृत्ति अपनानी चाहिए। वे स्वाद के लिए नहीं, संयम के लिए ग्रहण करते हैं। साधु के लिए प्रमाण से अधिक या विगई का सेवन करना अकल्पित है। जो साधु छोटी बातों पर गुस्सा करें, स्वाद के अनुसार भोजन करे, मनमानी करे, उनके समीप नहीं रहना चाहिए। साथ ही यह भी कहा, साधु अपने आचरण से गिरे तो उनका प्रचार नहीं करना चाहिए, उन्हें नीचा दिखाना भी अनुचित है।

हथकरघा विरासत का जश्न मनाने हेतु एकजुट हुए छात्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां केसीजी कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी तथा भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय एवं बुनकर सेवा केंद्र द्वारा 11वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। स्कूल आफ फैशन टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत का सम्मान करने के लिए छात्रों शिक्षकों कारीगरों को एक मंच प्रदान कर एकजुट किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बुनकर सेवा केंद्र की डिजाइन सहायक निदेशक आर शशिकला के द्वारा किया गया उन्होंने इस अवसर पर पारंपरिक हथकरघा तकनीक के साथ डिजाइन नवाचारों को एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

हिंदुस्तान ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के अध्यक्ष डॉ आनंद जैकब वर्गीज ने इस अवसर पर कहा कि हथकरघा सिर्फ कपड़ा नहीं है यह हमारी पहचान विरासत और भारतीय शिल्प कौशल की आत्मा का प्रतिनिधित्व करने वाला है उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य पारंपरिक बुनाई में गौरव को पुनर्जीवित करना विरासत और आधुनिक डिजाइन शिक्षा के बीच की खाई को पाटना तथा कारीगरों का समर्थन करना है। केसीजी कॉलेज की निदेशक डॉक्टर एनी जैकब ने कहा कि भविष्य के डिजाइनर न केवल नवाचार करें बल्कि जिम्मेदारी और सम्मान के साथ भारत की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाएं। केसीजी कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी के प्राचार्य डॉक्टर एम मुथु कन्नन ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए।

अग्रवाल सभा ट्रस्ट के राजेश गुप्ता पुन अध्यक्ष बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहां 6 अगस्त को एक स्थानीय होटल परिसर के मीटिंग हाल में सेलम अग्रवाल सभा ट्रस्ट के वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किया गया।

सम्मेलन का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन की तस्वीर पर माला अर्पित कर गणेश वंदना से किया गया। अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने सभी सदस्यों का स्वागत अभिवादन किया। सचिव मुरलीमनोहर चौधरी और कोषाध्यक्ष महेंद्र पोद्दार ने गत वर्ष का विस्तृत लेखाजोखा सदन में पेश किया।

अग्रवाल महिला मंडल को अध्यक्ष कविता अग्रवाल के नेतृत्व में विगत वर्ष में सक्रियतापूर्वक अनेक सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को साकार करने के लिए सभी ने खूब सराहा।

आगामी दो वर्षीय कार्यकाल के लिए सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने एक मत से पुनः राजेश गुप्ता के नेतृत्व वाली टीम को समर्थन दिया और बोर्ड पर गठित किया। खेलकूद प्रभारी अमित गुप्ता को यूथ कमेटी का हेड भी बनाया गया जिसमें महिलाओं की ओर से उनके साथ रोली अग्रवाल होंगी। अधिवेशन में चर्चा से पूर्व बीते साल में समाज के जिन सदस्यों का निधन हो गया उनकी स्मृति में मौन रखा गया।

एक अनूठे रक्षाबंधन का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रसिद्ध साहित्यकार और सामाजिक विचारक ईश्वर करुण के संयोजन में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की तमिलनाडु इकाई की अध्यक्ष शारदा अग्रवाल के नेतृत्व में चेन्नै सेंट्रल आरपीएफ थाना परिसर में लगभग 40 महिला सदस्यों ने 100 से अधिक आरपीएफ के जवानों को अक्षत चंदन लगाकर रक्षासूत्र बाँधा और सभी को मिठाइयाँ बाँटी। रक्षाबंधन जैसे महापर्व की भावना का आदर करते हुए चेन्नर्स में बसी उत्तर भारतीय महिलाओं ने चेन्नई दक्षिण के आरपीएफ के भाइयों को रक्षासूत्र बाँध कर उत्तर और दक्षिण की सांस्कृतिक चेतना को मजबूत बनाया। ईश्वर करुण ने बताया आरपीएफ के जवान भी यात्रियों और नागरिकों की सुरक्षा में दिन-रात लगे रहते हैं, इसलिए ये बहनें उनकी सुरक्षा के लिए रक्षाबंधन बाँधने के लिए आज उपस्थित हुई हैं। रक्षाबंधन का यह अवसर बहुतों को भावुक कर गया। ऐसी महिलाएँ भी थीं, जिनके भाई रक्षाबंधन में नहीं आ सकेंगे और ऐसे भी आरपीएफ के जवान थे, जो राखी की छुट्टी में घर नहीं जाकर सकेंगे।

चेन्नई आरपीएफ थाना के प्रभारी और सब इंस्पेक्टर रमेश, नागेंद्र को राखी बांधी गई। सम्मेलन की ओर से उनका स्वागत शारदा अग्रवाल, प्रदेश सचिव चेन्नई शाखा अध्यक्ष शालिनी अग्रवाल, प्रदेश कोषाध्यक्ष चेन्नई शाखा सचिव सरल मंगल, नारी सशक्तिकरण प्रमुख सुनीता खेमका, साहित्य प्रमुख सविता गोयल, अंगदान-नेत्रदान प्रमुख शशि अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारी ने अंग वस्त्र से किया गया।

इसके बाद में दक्षिण रेलवे के प्रिंसिपल चीफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर गणेश को उनके केबिन में जाकर अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के पदाधिकारी इन्दु कुमारी ने उन्हें तिलक लगाकर रक्षाबंधन बाँधा और शाल से सम्मानित किया। वहाँ उपस्थित कार्मिकों के लिए भी मिठाइयाँ बाँटी। गणेश ने अपनी प्रसन्नता प्रकट करते हुए इन सभी का आभार जताया और इन्हें फूल का पौधा भेंट में दिया। ईश्वर करुण को भी राखी बांधकर उनका सम्मान किया गया।

आस्था और विश्वास से रास्ता निकलता है : साध्वी डॉ प्रतिभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां कोयम्बटूर स्थानकवासी जैन संघ के तत्त्वावधान में चातुमासार्थ विराजित श्री डॉ प्रतिभाश्रीजी म.सा. ने गुरुवार को कहा कि आस्था से रास्ता समीचन हो सकते है। अगर हमारी आस्था मजबूत है और उसमे हमें विश्वास है। उदाहरणार्थ उन्होंने बताया कि हमारी डॉक्टर के ऊपर आस्था होती है जब हम बिमार होते हैं जो डॉक्टर कहते हैं हम सब छोड़ने के लिए तैयार हो जाते हैं। यहाँ पर हम तर्क-वितर्क नहीं करते हैं। तभी तो हम जल्दी से ठीक हो सकते है। हमारी वकील, टीचर, पड़ोसी, पत्नी की ऊपर आस्था रहती है। लेकिन परमात्मा के प्रति हमारी श्रद्धा कितनी है। अगर परमात्मा के प्रति आस्था रखेंगे तो हमारा जीवन का उद्धार हो सकता है। भगवान ने हमें सब कुछ दिया है। देव, गुरु, धर्म के आस्था होना जैसे सुई में धागा हैं तब तक सुई कहीं घुम नहीं सकती उसी प्रकार

परमात्मा का डोरा डाला हैं तो 24 दण्डक, 84 व्याख जीवयोनियों में या इस भौतिकता की चकाचौंध में भटक नहीं सकते हैं। हम सभी के ऊपर आस्था एवं विश्वास रखते हैं लेकिन मैं स्वयं ही शक्तिशाली हूँ। अगर आपने ऐसी श्रध्दा रखी तो आप स्वयं पावरफुल बन सकते है। देह से देवालय जगा देना अपने मन में भाव हमारी आत्मा परमात्मा बन सकती है। कंकर से शंकर बन सकती है। नर से नारायण बन सकती है। सभा का संचालन सुनील हिगड़ ने किया।

श्रुत ज्ञान की मिठास से सम्यक्त्व की पहचान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित पंन्यास विमल पुण्यविजयजी म.सा. ने गुरुवार को समकित के '67 बोल' ग्रंथ के अंतर्गत तीन प्रकार के लिंगों में प्रथम सुषुश्रा लिंग की विस्तारपूर्वक विवेचना की। उन्होंने स्पष्ट किया कि लिंग का अर्थ है कारण और लिंगी यानी कार्य, जिससे यह समझ में आता है कि व्यक्ति के भीतर सम्यक्त्व है या नहीं। सुषुश्रा का आशय है श्रुत की अभिलाषा, यानी शास्त्र श्रवण में ऐसी रुचि, जिससे धर्मवाणी शक्कर की तरह मधुर प्रतीत हो।

पंन्यासश्री ने महोपाध्याय यशोविजयजी का उद्धरण देते हुए कहा कि इन लिंगों के माध्यम से सम्यक्त्व को इस प्रकार अंगीकार करना चाहिए कि उससे अखंड सुख की प्राप्ति हो। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार कोई युवक, जो धन, संगीत और पारिवारिक सुख से युक्त हो, जब देवाताई गीत को अत्यधिक अनुराग से सुनता है, उससे भी अधिक अनुराग के साथ जो व्यक्ति धर्म को श्रवण करे, वही सुषुश्रा लिंग का वास्तविक स्वरूप है। उन्होंने कहा कि हम बहुत कुछ सुनते हैं, पर उसे स्मरण नहीं रखते। अपने दोषों को स्वीकार नहीं करते और ऐसे व्यक्तियों के संपर्क में रहने से सम्यक दर्शन भी नष्ट हो सकता है। भगवान की आज्ञा के बिना प्राप्त ज्ञान अर्थहीन हो जाता है और तब अमृततुल्य वचन भी विष समान बन जाते हैं। इसलिए गीतार्थ गुरु से प्राप्त किया गया ज्ञान ही अमृत है। जब तक सम्यक दर्शन स्थिर नहीं होता, तब तक अन्य विषयों की चर्चा समकिती के लिए वर्जित है। पंन्यास प्रवर ने आगे कहा कि यह संसार स्वयं दुःखरूप है, और व्यक्ति उसमें फँसकर जैसे कठपुतली की तरह कर्म के इशारों पर नाचता है। उन्होंने जयानंद राजकुमार के दृष्टांत द्वारा यह संदेश दिया कि अब जागृत होकर परमात्मा और सद्गुरु की शरण में जाना ही एकमात्र उपाय है। जब वैराग्य भीतर प्रकट होता है, तब मोहजाल में फंसने का अवसर नहीं मिलता।

अच्छे निमित्त को देखकर भी बुरे भाव नहीं लाना चाहिए : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा ने गुरुवार को प्रवचन के दौरान कहा कि इस संसार में रहना है, लेकिन संसार की इच्छा नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसे कोई बाज़ार जाए लेकिन कुछ न खरीदे, वैसे ही समकित यात्री संसार में रहते हुए भी संसार से अछूते रहते हैं। पूरी ज़िंदगी भोगों के नाम कर दी, अब जो साल बाकी हैं, उन्हें धर्म के नाम कर दो, क्योंकि न जाने कब जीवन की शाम हो जाए। उन्होंने कहा कि संसार को चाहे जितना खुश करने की कोशिश करो, वह कभी संतुष्ट नहीं होगा। यह संसार एक ऐसा पज़ल गेम है, जो आज तक कभी पूरा नहीं हुआ। इसलिए जीवन के इस पज़ल को सही तरीके से सेट करना है तो धर्म को समय देना शुरू करना होगा।

मुनिश्री ने कहा कि यह ज़िंदगी एक नॉन-स्टॉप यात्रा है, इसमें कोई ब्रेक नहीं है। हम भागते-भागते दिन-रात एक कर देते हैं, लेकिन अब थोड़ा समय धर्म के लिए भी निकालना चाहिए। अच्छे निमित्त को देखकर भी बुरे भाव नहीं लाने चाहिए। जो हमारे अपने हैं, जिन्होंने हमें कभी दुख नहीं दिया, उनके साथ झूठ या दुर्व्यवहार नहीं करना चाहिए। घर से शुरुआत करें - यदि सब अच्छे हैं, तो उनके लिए सोच भी अच्छी रखें। यदि कोई बुरा बोले भी, तो बुरा न बोलें, न सोचें। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने कभी हमारी आंखों में आंसू नहीं आने दिए, उनकी आंखों में हम आंसू न लाएं। जीवन के इस पज़ल गेम को सही करने की यह एक छोटी-सी कोशिश है। अपनी वाणी को कभी कठोर न बनने दें, माता-पिता के लिए हमेशा मधुर वाणी होनी चाहिए। वे हमारे लिए सब कुछ छोड़ देते हैं, फिर भी बच्चों की तरफ से उन्हें सुनना पड़ता है - आख़िर आपने हमारे लिए किया ही क्या है? मुनिश्री ने कहा कि गुस्से के बिना भी बहुत से काम हो सकते हैं। सुबह उठते ही कम से कम तीन घंटे तक गुस्सा न करें। दिन की शुरुआत शांति और सकारात्मकता से करें। कार्यक्रम में अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा, महावीर पगारिया, और महेन्द्र पुंगलिया उपस्थित रहे। मंच संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

जयगोपाल गारोदिया विवेकानंद विद्यालय में खेल प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां जयगोपाल गारोदिया विवेकानंद विद्यालय ट्रस्ट ने 6 अगस्त को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जयगोपाल गारोदिया ग्रुप ऑफ़ स्कूल्स का वार्षिक खेलकूद मीट समापन और पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया। पूर्व भारतीय वॉलीबॉल खिलाड़ी, वरिष्ठ प्रबंधक, इंडियन बैंक के ए मनोहरन ने समारोह की अध्यक्षता की और पुरस्कार वितरित किए।

जेजीवीवी ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी अशोक केडिया, शैक्षणिक निदेक जी. विजयकुमार, बुक बैंक समन्वयक केशवन और प्रधानाचार्य आर. हेमामालानी - जयगोपाल गारोदिया माध्यमिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय; जे. थानुकृष्णन, श्रीमती दुर्गादेवी चौधरी विवेकानंद विद्यालय; एम. उमा - जयगोपाल गारोदिया विवेकानंद विद्यालय और वी. राजेश, जयगोपाल गरोडिया विद्यालय ने खेल दिवस कार्यक्रम में भाग लिया। मार्च पास्ट के बाद योग, ड्रिल, एरोबिक्स और पिरामिड प्रदर्शन हुए। विभिन्न एथलेटिक स्पर्धाओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ एजुकेशनल एंड मेडिकल ट्रस्ट एवं आचार्य श्री तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर (संचालित तेरापंथ युवक परिषद् चेन्नई) द्वारा पट्टालम स्थित तेरापंथ जैन विद्यालय में दो दिवसीय स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन 5 एवं 6 अगस्त को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस शिविर में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, प्रशिक्षणार्थियों एवं स्टाफ का दंत चिकित्सा, नेत्र जांच तथा प्रशिक्षणार्थियों एवं स्टाफ के लिए रक्त परीक्षण जैसी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। कुल 1050 छात्र-छात्राओं ने दंत एवं नेत्र चिकित्सा सेवाओं का लाभ लिया। वहीं 60 शिक्षकों एवं स्टाफ का रक्त परीक्षण, नेत्र जांच एवं दंत परीक्षण किया गया।

समापन कार्यक्रम की शुरुआत तेयुप चेन्नई के उपाध्यक्ष नवीन बोहरा के मंगलाचरण से हुई। टे.ई.एम.टी. के चेयरमैन गौतम बोहरा ने सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए चिकित्सकों, नर्सों एवं मेडिकल स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

इसके पश्चात विद्यालय के कॉरेस्पॉन्डेंट संजय भंसाली ने शिविर की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रधानाचार्या आशा क्रिस्टी ने भी अपने विचार साझा किए और आयोजन की सराहना की।

डॉक्टर्स, नर्सेस एवं मेडिकल स्टाफ को सम्मानित कर उनके योगदान के लिए सम्मान किया गया। शिविर के संयोजक गजेंद्र बोहरा ने शिविर की रूपरेखा साझा करते हुए सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। विशेष धन्यवाद तेयुप चेन्नई अध्यक्ष विशाल सुराणा एवं उनकी पूरी टीम को उत्कृष्ट व्यवस्था एवं समर्पण भाव के लिए दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन तेयुप मंत्री मुकेश आच्छा ने दिया। संचालन संयोजक विकास सेठिया ने किया। इस शिविर को सफल बनाने में तेयुप चेन्नई के पूर्व अध्यक्ष मुकेश नौलखा का विशेष सहयोग रहा।

'किसी प्राणी का तकलीफ पहुंचाने साक्षात् परमात्मा को तकलीफ देना है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने गुरुवार को अपने प्रवचन में कहा कि हम किसी प्राणी को सुख नहीं दे सकते बचा नहीं सकते तो तकलीफ देने और मारने का हमें कतई अधिकार नहीं है। किसी भी प्राणी को तकलीफ देना साक्षात परमात्मा को सताने के समान है। क्योंकि सभी आत्मा में परमात्मा स्वरुप विराजमान है। देश के संविधान में भी पर्यावरण कानून के अंदर प्रत्येक प्राणी की सुरक्षा करना सरकार और न्यायालय का परम कर्तव्य है। इंसान के बिना पशु जंगल में जीवित रह सकते हैं परंतु पशु के बिना इंसान एक पल भी जिंदा नहीं रह सकता। पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रत्येक प्राणी का योगदान ऑक्सीजन से महत्वपूर्ण है उनकी रक्षा सेवा से ही हमारी रक्षा संभव है।

राष्ट्र संत ने कोल्हापुर के पास नंदिनी जैन मठ से माधुरी हथिनी को, जामनगर स्थित पशु पुनर्वास केंद्र वनतरा में ले जाने की घटना की कठोरता शब्दों में निंदा करते कहा कि बीमारी का बहाना बनाकर वहां से ले जाना जनता के भावना के साथ खिलवाड़ करने के समान है। क्या यहां पर उपचार की

व्यवस्था नहीं हो सकती थी, क्या ले जाने से पूर्व संबंधित ट्रस्ट से चर्चा की उनको अवसर दिया गया। जैन संत ने कहा कि कानून के डंडे के बुलबुते पर जन भावनाओं का कुचलना, गुलामी राज्य से भी बुरे दिन देखने को मजबूर होना पड़ रहा है। अनंत प्राणी जन्म और मृत्यु और पीड़ा से जूझ रहे हैं किन-किन को उठाकर के ले जाएगी यह बुद्धि का दिवालियापन है। जहां समस्या है उसको सुलझाने के लिए वहीं पर व्यवस्था करना बुद्धिमानी है। जैन संत ने कहा की न्यायालय हथिनी को वहां भेज कर जनता की भावना को आहत किया है। अहिंसा प्रेमी की सेवा पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया दुनिया के सामने बदनाम करने के लिए यह बताने की कोशिश की एक हाथी को कोई संभालने वाला नहीं है। जबकि जैन समाज अनंत प्राणियों की सेवा के लिए अपने तन मन धन सबको लुटा देता है। उन्होंने कहा कि जैन समाज हथिनी तो क्या प्रत्येक प्राणी की रक्षा के लिए पुनर्वासन स्थान बनाने को तैयार है। जन भावनाओं का सम्मान करना कोर्ट का परम कर्तव्य होता है। महाराष्ट्र सरकार तत्काल हथिनी को वापस लाने के लिए मुख्यमंत्री जो प्रयास कर रहे हैं वह प्रशंसनीय है।

राष्ट्रीय सर्व धर्म संसद के अध्यक्ष राष्ट्र संत कमल मुनि जी ने बताया कि सिख धर्म के ग्रंथि राजपाल सिंह ने कहा कि पूरी सिख समाज कंधे से कंधा लगाकर साथ में खड़ा है एक इशारे की आवश्यकता है। महंत सेवा दास ने बताया कि हथिनी वापस लाकर रहेंगे चाहे कितनी बड़ी कीमत क्यों नहीं चुकाना पड़े। फादर रेवरेंट पैट्रिक ने कहा कि सवाल हथिनी का नहीं है जन भावना के साथ खिलवाड़ का है। मौलाना अखलाक अहमद ने कहा यह किसी धर्म का विषय नहीं है न्याय और नीति से जुड़ा हुआ है। बौद्ध धर्म के लामा लॉन्ग जंग ने कहा कि अहिंसा वादीकी छवि को कलंकित करने का षड्यंत्र है। इस विषय पर सभी धर्मगुरु एक है मुनि कमलेश के नेतृत्व में रणनीति बनाकर आगे काम करेंगे अखिल भारतीय जैन जीव का विचार मंच नई दिल्ली रजिस्टर्ड ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से इस मामले में हस्ताक्षर करके जनता को न्याय दिलाने की मांग की कौशल मुनिजी घनश्याम मुनि जी ने विचार व्यक्त किया। सञ्जन राज सुराणा ने संचालन किया।

सम्पूर्ण जगत में धर्म के समान कोई पवित्र वस्तु नहीं : आचार्य प्रभाकरसूरी

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य प्रभाकरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि संसार में कोई भी चीज सदा साथ रहने वाली नहीं है। जीवन में हम सगे संबंधी, धन, यश व कीर्ति को अपना मानते हैं। यह हम गलत सोचते व मानते हैं। यह सब तब तक आप के साथ हैं जब तक कि आप के साथ पुण्य कर्म की पूंजी है। सभी के साथ स्वार्थ का संबंध है। शरीर भी उसी क्रम में एक दिन साथ छोड़ देता है इसलिए उसका साथ का मोह छोड़ देना चाहिए। केवल अपने कर्म का पालन करना चाहिए। आचार्यश्री ने कहा कि सारे शुभ और अशुभ कर्मों के फल जितने भी हैं यह जीव अकेला ही भोगता है, कोई साथ नहीं देने वाला होता है ।इसलिए हमें अपने परमात्मा तथा धर्म पर अपने भाव को प्रकट करते हुए सत्य कर्म मार्ग पर चलना चाहिए। जिस प्रकार जीवन पर्यन्त नीच व्यक्ति पर कितना ही उपकार किया जाए तो भी उसमें सज्जनता नहीं आती है, उसी प्रकार मनुष्य की देह भी अपनी स्वाभाविक दुर्गन्ध को नहीं छोड़ती है। यह देह विश्वास की भी पात्र नहीं है, हमें केवल और केवल अपनी आत्मा पर विश्वास करना चाहिए।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.